द्वितीया पूजा आज

23 सितंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

कलश स्थापना के साथ नवरात्र का शुभारंभ, माता के जयकारों से गूंजा डुमरांव

3

जीएसटी 2.0 : रोटी समेत रोजमर्रा की चीजें हुई सस्ती

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में बड़े बदलाव होने जा रहे है रोजमर्रा की चीजे सस्ती हो जाएंगी इतना ही नहीं इस बीच आम जरूरत की कई वस्तु में बदलाव देखने को मिलेगा। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के फैसले के बाद अब आज से ये लागू हो जाएगा रोजमर्रा की चीजों से लेकर लग्जरी प्रोडक्ट्स तक, अब आपकी जेब पर सीधा असर पड़ने वाला है। पीएम मोदी के एलान के बाद आज यानि की नवरात्र की शुरूआत के साथ ही कई चीजें अब सस्ती हो जाएंगी, तो कुछ पर टैक्स का बोझ बढ़ेगा। बता दे की साल 2017 में एक देश-एक टैक्स के नारे के साथ जीएसटी लागू किया गया था, लेकिन बीच-बीच में कई कमियां सामने आईं लेकिन अब इन गड़बड़ियों को दूर करने के लिए काउंसिल ने बड़े फैसले

लिए हैं। अब इन फैसलों के मद्देनजर कर को लेकर बड़े बदलाव हुए है। नए टैक्स के प्रावधानों की बात करें तो नवरात्रि के पहले दिन यानि आज से आपको अलग-अलग वस्तुओं पर सिर्फ तीन श्रेणी के कर अब देखने को मिलेंगे। जिसमें 5 फीसदी, 18 फीसदी और 40 फीसदी कर शामिल है। इतना ही इस वीडियो में थोड़ी देर पहले हम जिन लग्जरी कारों की जिन लग्जरी कारों की बात कर रहे थे उन कारों पर अब 40 फीसदी कर लगेगा। यानी 28 फीसदी जीएसटी की जगह आपको 40 फीसदी जीएसटी देना होगा। इसके बाद भी यह कारें सस्ती हो सकती हैं क्योंकि सेस से जुड़ी विसंगति को नए बदलाव में खत्म कर दिया गया है। अगर आप पॉपकॉर्न खाने के शौकीन है तो अलग-अलग स्थिति में आपको इस पर तीन तरह का टैक्स देना होता था। फ्लेवर के हिसाब से टैक्स अभी भी अलग-अलग होगा। इससे पहले, फ्रोजन पराठों को लेकर भी जीएसटी वर्गीकरण को लेकर विवाद छिड़ा था। सादी रोटी पर जहां 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था, वहीं पराठों को 18 प्रतिशत के स्लैब में रखा गया। अब यह मामला सुलझ गया है। यानि की इनपर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। अब सभी भारतीय रोटियों, चाहे उन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाए, को छूट दी गई है। अब इन पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। जिससे आपको अब जेब अब ढीले नहीं करने पड़ेगा। बदलाव आम उपभोक्ता को खुशी के साथ राहत भी देगा पीएम मोदी की अपील पर जीएसटी काउंसिल की ओर से जीएसटी दरों में भारी कटौती कर लोगों को महंगाई का तोहफा दिया गया. लेकिन क्या आपको पता है कि उन सामानों के बारे में जो महंगे होंगे। रोजमर्रा की तमाम चीजें सस्ती हो गई. खाने-पीने से लेकर रहने, पहनने, घर बनाने , पढ़ाई-लिखाई की तमाम चीजें सस्ती हो गई। नई जीएसटी सुधार के बाद अब भी वस्तुएं सिर्फ 5:, 18: और 40: के स्लैब में आएंगी. 22 सितंबर से नई जीएसटी दरें लागू हो जाएंगी. 22 सितंबर से कई चीजों की कीमत कम हो जाएगी तो वहीं कुछ ऐसे भी सामान या प्रोडक्ट्स हैं, जिसके दाम बढ़ जाएंगे. सरकार ने जिन चीजों पर जीएसटी की दरें बढ़ाकर 40 फीसदी कर दी हैं वो सिन गुड्स हैं।

अवैध प्रसारण और ऑनलाइन सट्टेबाजी का मामला 'फेयरप्ले' केस में 307.16 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने अवैध प्रसारण और ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियों में शामिल "फेयरप्ले" मामले की चल रही जाँच के तहत, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 19.09.2025 को लगभग 307.16 करोड़ रुपये की संपत्ति के लिए अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया है। इन संपत्तियों में बैंक बैलेंस के रूप में चल संपत्तियाँ और दुबई (यूएई) स्थित भूमि/विला, फ्लैट के रूप में अचल संपत्तियाँ शामिल हैं। ईडी ने मेसर्स वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नोडल साइबर पुलिस, मुंबई में मेसर्स फेयरप्ले और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और कॉपीराइट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 100 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व नुकसान के लिए दर्ज कराई गई एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जाँच शुरू की। इसके बाद, फेयरप्ले और उसके सहयोगियों सहित विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए दर्ज कई अन्य एफआईआर को भी जाँच के लिए एक साथ जोड़ दिया गया। अब तक की गई जाँच के अनुसार, व्यापार आधारित मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से विदेशों में धन की आवाजाही और संचालन के पैमाने को देखते हुए, इस मामले में अपराध की आय (पीओसी) कई सौ करोड़ रुपये से अधिक है।

दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट सहित अरुणाचल को मिली 5100 करोड़ की सौगात

पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी : पीएम मोदी

एजेंसी। ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट, तवांग में कन्वेंशन सेंटर और कनेक्टिविटी व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्य अष्टलक्ष्मी हैं और सरकार उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मिलकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया। समारोह इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। पीएम ने शि योमी जिले में दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट्स और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी। पीएम ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कहा कि ये हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां इन राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की

तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नियत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। उन्होंने आगे संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है। मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया। पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और ळैज बचत उत्सव की शुरूआत हुई, जिससे त्योहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है।

पूर्वोत्तर की राजनीति पर बोले सिक्किम के प्रधानमंत्री

कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि पीएम मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा। 2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। मोदी ने अरुणाचल को ष्उगते सूरज की धरतीष बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है। ईटानगर में पीएम नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर चर्चा की।

आर्थिक सशक्तिकरण और स्वदेशी का महत्व

पीएम ने जोर देकर कहा कि मेक इन इंडिया और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल की दिशा में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने व्यापारियों को प्रेरित किया कि वे स्थानीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान दें। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी सुधारों से कीमतों और बिक्री पर असर पड़ेगा, लेकिन स्वदेशी उत्पादों के प्रचार से उनकी बिक्री में वृद्धि संभव है। पीएम मोदी ने व्यापारियों की राय को महत्व देते हुए कहा कि सभी सुझावों को नीति निर्माण में शामिल किया जाएगा।

सरकार देगी 25 लाख नए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन

जीएसटी से 20 हजार करोड़ के नुकसान की आशंका : ममता

एजेंसी। कोलकता

देश में आज से शुरू हुए जीएसटी बचत उत्सव को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा जीएसटी दरों में कटौती के कारण राज्यों को आर्थिक नुकसान की आशंका है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर में सुधार करने के बाद टैक्स की दरें घटाने का श्रेय तो ले लिया, लेकिन इसके कारण अब राज्यों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। सीएम ममता ने कहा, केंद्र को राजस्व का जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई राज्यों से कराई जा रही है। कोलकाता में दुर्गा पूजा के एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, राज्य को जीएसटी दरों में कटौती से करीब 20,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा। इस टिप्पणी के साथ उन्होंने जीएसटी में कटौती के फैसले का स्वागत भी किया। उन्होंने कहा कि भले ही सरकार के इस फैसले से आम जनता को लाभ मिलेगा, लेकिन केंद्र सरकार को अनुचित श्रेय नहीं लेना चाहिए। उन्होंने सवाल पूछा कि करोड़ों रुपये की इतनी बड़ी राजस्व हानि के बाद राज्य सरकार के खजाने में पैसा कहां से आएगा।

सांसद सुधा मूर्ति ने अज्ञात कॉलर के खिलाफ दर्ज करायी एफआईआर

एजेंसी। बेंगलूरू

राज्यसभा सांसद और लेखिका सुधा मूर्ति ने साइबर क्राइम पुलिस थाने में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, साइबर अपराधी ने उन्हे धमकाया और दावा किया कि उनके अश्लील वीडियो वायरल हो रहे हैं। पुलिस की ओर दी गई जानकारी के मुताबिक सुधा मूर्ति के मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉलर ने खुद को दूरसंचार विभाग का कर्मचारी बताया और दावा किया कि उनका मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है। कॉलर ने उन्हें यह कहते हुए

धमकाया कि उनके अश्लील वीडियो वायरल हो गए हैं, जिसके चलते दूरसंचार विभाग उनकी मोबाइल सेवाएं बंद करने वाला है। सुधा मूर्ति ने तुरंत इस मामले की जानकारी साइबर क्राइम पुलिस को दी। पुलिस ने कॉलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

सरकार देगी 25 लाख नए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 लाख नए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी है। इस फैसले के साथ, देशभर में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 10.60 करोड़ हो जाएगी। नवरात्रि के पावन अवसर पर इस घोषणा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देश की माताओं और बहनों को शुभकामनाएं दीं। 25 लाख नए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन का यह कदम न केवल उन्हें इस पावन पर्व पर आनंद प्रदान करेगा, बल्कि महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। उन्होंने इस योजना को मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक बताया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, ष्नवरात्रि की शुरूआत के साथ, उज्ज्वला योजना के तहत 25 लाख जमा-मुक्त रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने का फैसला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिलाओं के प्रति देवी दुर्गा के समान सम्मान की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण हैष उन्होंने एक्स पर पोस्ट में बताया कि इन नए कनेक्शनों के साथ उज्ज्वला परिवार 10.60 करोड़ तक पहुंच जाएगा। पुरी ने आगे कहा कि उज्ज्वला योजना सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि देश में एक बड़ी क्रांति की मशाल बन चुकी है, जिसकी रोशनी देश के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंची है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर

उज्ज्वला योजना 2016 में शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध कराना था। नए 25 लाख कनेक्शनों के साथ यह योजना अब और अधिक परिवारों तक पहुंचेगी, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं का जीवन स्तर सुधरेगा। सरकार का कहना है कि यह कदम न केवल आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान देगा। इस घोषणा के बाद देशभर में उज्ज्वला लाभार्थियों और सामाजिक संगठनों ने सरकार के इस कदम की सराहना की है।

जलजमाव व जर्जर सड़कों पर डुमरांव की जनता का फूटा आक्रोश, फूंका विधायक का पुतला

- पूरे शहर में घुमाया गया पुतला, चौक पर हुआ दहन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर की सड़कों और नालियों की बदहाल स्थिति ने जनता का सब्र तोड़ दिया। वर्षों से सड़कें टूटी पड़ी हैं, नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं, दुर्गा पूजा जैसे पावन पर्व पर भी नगरवासी संकट में जीने को मजबूर हैं। सड़क निर्माण भी काफी मंथर गति से हो रहा है। आम नागरिकों की समस्याओं की अनदेखी और भ्रष्टाचार में डूबे डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा के खिलाफ आज जनता का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा।

युवा भाजपा नेता दीपक यादव के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं और व्यापारियों ने डुमरांव शहर की गलियों और मुख्य मार्गों पर आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान विधायक का पुतला गधे पर बैठाकर पूरे शहर में घुमाया गया और अंततः गोला रोड चौक पर पुतले का दहन कर विधायक की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

कार्यक्रम में पुतला दहन के बाद वही सड़क पर एक सभा का आयोजन किया गया सभा ० आक्रोश मार्च में शामिल नागरिकों ने कहा कि डुमरांव की सड़कें दलदल बनी हैं, जिन पर चलना दूभर हो गया है। बरसात में नालियों का गंदा पानी घरों और दुकानों में घुस रहा है। एंबुलेंस तक मरीजों के पास नहीं पहुंच पा रही है, जिससे जान जोखिम में है। ठेला, रिक्शा, टेंपो और छोटे दुकानदारों का व्यवसाय चौपट हो गया है। विद्यार्थी विद्यालय और कॉलेज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। दुर्गा पूजा जैसे पर्व पर जब पूरा देश उमंग और भक्ति में डूबा है, तब डुमरांव के लोग विधायक की नाकामी के कारण भारी परेशानी झेल रहे हैं। व्यापारी वर्ग को करोड़ों का नुकसान हो रहा है और विधायक कमीशनखोरी और वसूली में मगन हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने विधायक पर बोला हमला

वहीं, भाजपा जिला प्रवक्ता शक्ति राय ने कहा कि डुमरांव के विधायक की कार्यशैली न केवल जनविरोधी है, बल्कि यह सनातन विरोधी मानसिकता को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जिस विधायक को दुर्गा पूजा जैसे पावन पर्व की भी चिंता नहीं है, उसे जनता जल्द ही राजनीति से बाहर का रास्ता दिखाएगी। यह विधायक हिन्दुओं की आस्था से लगातार खिलवाड़ कर रहे है, अब जनता सबक सिखाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि डुमरांव की जनता अब और चुप नहीं बैठेगी। यदि सप्तमी तक सड़कों को दुरुस्त कर आवागमन सुचारु नहीं किया गया, तो हम सभी डुमरांव में विधायक का 50 फीट का राक्षस रूपी पुतला बनाकर उसका दहन करेंगे। यह आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है, जनता की आवाज गूंजती रहेगी। मौके पर समाजसेवी रोहित सिंह, अभिषेक रंजन, मनोज सिंह, संटू मित्रा, राहुल सूर्यवंशी, शिवजी शर्मा, पवन जायसवाल, रिंकू गुप्ता, शुभम सिन्हा सहित कई लोगों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि विधायक की कुरितियों को अब जनता के बीच जोरदार ढंग से उजागर किया जाएगा। इस अवसर पर मुखिया कुशवाहा विजय सिंह, पप्पू कुशवाहा, सोनू प्रसाद, शुभम राय, राहुल यादव, अभिषेक केसरी, धीरज कुमार, अभिषेक चौरसिया, अनिल वर्मा समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। वही धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अभिषेक रंजन ने कहा कि आज का यह ऐतिहासिक आक्रोश मार्च डुमरांव की जनता की चेतावनी है कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और उग्र होगा।

प्रभु श्रीराम जीवन मूल्य और आदर्शों के जीवंत स्वरूप : राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

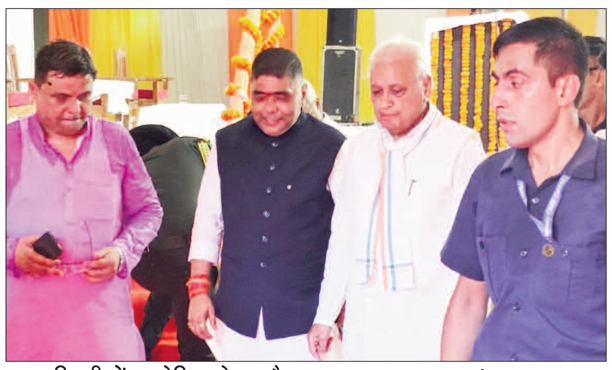

- सिमरी में आयोजित हो रहा है धर्म-संस्कृति का महाकुंभ, मां कालरात्रि धाम में रामकथा महोत्सव का भव्य आगाज

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड स्थित प्रसिद्ध मां कालरात्रि धाम सोमवार को अध्यात्म और संस्कृति का संगम बन गया। दीपों की लौ, जयकारों की गूंज और श्रद्धालुओं की भीड़ ने माहौल को अद्वितीय बना दिया। अवसर था नौ दिवसीय रामकथा महोत्सव के भव्य शुभारंभ का, जिसका उद्घाटन बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना कर किया।इस दौरान मंदिर पूजा समिति के सदस्य, पुजारी गणमान्य ग्रामीण, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप राय समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर मंदिर परिसर करतल ध्वनियों व लोगों के जयकारे से गूंज उठा। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में संस्कृत श्लोक ह्लरामो विग्रहवान्‌ धर्मःह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम केवल धर्म के प्रवक्ता नहीं, बल्कि धर्म के साक्षात स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि राम का चरित्र सत्य, त्याग और सेवा की प्रेरणा देता है। आज की पीढ़ी को उनके आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। जब तक समाज में ज्ञान और मयार्दा का प्रकाश रहेगा, तभी सच्चे अर्थों में समृद्धि संभव है। राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि ज्ञान ही जीवन का वास्तविक धन है। बिना ज्ञान वाला व्यक्ति सीमित दायरे में जीता है, जबकि ज्ञानवान समाज और मानवता दोनों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्रद्धा और संस्कृति का देखने को मिला महासंगम

राज्यपाल के आगमन पर मां कालरात्रि सेवा समिति ने अंगवस्त्र और पुष्पहार भेंट कर उनका अभिनंदन किया। तत्पश्चात उन्होंने मां कालरात्रि मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। कार्यक्रम स्थल पर भव्य मंच सजाया गया था, जहां रामकथा की अमृतवाणी ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। जैसे ही मंच से प्रवचन गूंजे, श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो उठे। जय श्रीराम के नारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा।

चाक-चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था

जिला प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए। आयोजन स्थल से लेकर मुख्य चौक-चौराहों तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती और प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेटों की मौजूदगी से श्रद्धालु निश्चिंत होकर आयोजन का आनंद लेते दिखे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, सिमरी थाना अध्यक्ष ज्योति कुमारी, अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडेय सहित अनेक प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

नौ दिनों तक बहेगी भक्तिरस की अविरल धारा

समिति ने जानकारी दी कि रामकथा महोत्सव अगले नौ दिनों तक चलेगा। इसमें न केवल धार्मिक प्रवचन होंगे, बल्कि लोकगीत, भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति की विविध छटा का अनुभव कराया जाएगा। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कथावाचक भी प्रवचन देंगे। इस आयोजन से इलाके में पूरे नवरात्र भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित होगी।

राज्यपाल के संबोधन से खुश दिखे श्रद्धालु

कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालुओं ने राज्यपाल के संबोधन को प्रेरणादायी बताया। लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से धर्म और संस्कृति के प्रति नई चेतना का संचार होता है और युवा पीढ़ी अपने मूल्यों से जुड़ाव महसूस करती है। रामकथा महोत्सव ने सिमरी प्रखंड को अध्यात्म की डोर से बांध दिया है। भक्ति रस में डूबा माहौल यह संदेश दे रहा है कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मानवीय आदर्शों के पथप्रदर्शक हैं। अगले नौ दिनों तक मां कालरात्रि धाम का हर कोना रामकथा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की गूंज से आलोकित रहेगा, जहां श्रद्धा और संस्कृति दोनों का अद्भुत समागम देखने को मिलेगा। यह आयोजन इलाके में आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

रामपुर स्थित देवल-नागपुर सड़क की दुर्दशा, ग्रामीणों में आक्रोश

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित देवल मोड़ से राजपुर के नागपुर तक जाने वाली सड़क इन दिनों बदहाली की जीती-जागती मिसाल बन चुकी है। कभी यह मार्ग प्रखंड के आधा दर्जन गांवों को राजपुर, नागपुर होते हुए चौसा-कोचस स्टेट हाइवे व दिनारा मार्ग से जोड़ने वाला अहम संपर्क पथ था। मगर अब इसकी हालत ऐसी हो गई है कि वाहन तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जगह-जगह पानी से भरे गड्ढों में सड़क ही गायब हो गई है। बरसात के दिनों में यह समस्या और भयावह हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से इस मार्ग की मरम्मत नहीं हुई। परिणामस्वरूप यह अब गड्ढों का मैदान बन गया है। देवीडीहरा निवासी अधिवक्ता बृजराज सिंह, गजधरा निवासी विनोद कुमार पाठक, सिद्धनाथ पाठक, मुन्ना ठाकुर, रसूलपुर निवासी प्रभुनाथ सिंह व गिरीश सिंह सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि आए दिन इस सड़क पर बाइक व छोटी गाड़ियों के पलटने से लोग घायल हो रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों व बीमार मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग चौसा प्रखंड ही नहीं बल्कि राजपुर और आसपास के कई क्षेत्रों के लिए जीवन रेखा के समान है। इसके बावजूद विभागीय उदासीनता के कारण इसकी सुध नहीं ली जा रही है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात युवक की मौत, नहीं हो सकी पहचान

केटी न्यूज/चौसा

दानापुर-मुगलसराय रेलखंड पर सोमवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में 45 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना चौसा स्टेशन और कमरपुर हाल्ट के बीच की है। बताया जाता है कि युवक किसी ट्रेन से अचानक गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी।

ग्रामीणों द्वारा ट्रैक के बगल में शव पड़े होने से मामले की जानकारी मुफस्सिल थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। मृतक धारीदार टीशर्ट और कथई रंग का पैंट पहने हुए था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पहचान सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक संभवतः यात्रा के दौरान असंतुलित होकर ट्रेन से नीचे गिर गया होगा।

फिलहाल पुलिस आसपास के थानों और गुमशुदगी रजिस्टर की मदद से उसकी पहचान का प्रयास कर रही है। वहीं, घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा और काफी देर तक लोग घटनास्थल पर जुटे रहे।

आम लोगों की सहभागिता से ही सफल होगा स्वच्छता अभियान : कर्नल रितेश

- डुमरांव में एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता अभियान चला लोगों को किया जागरूक
- छठिया पोखरा पर आयोजित हुआ था स्वच्छता रैली सह स्वच्छता अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को डुमरांव के छठिया पोखरा के पास स्वच्छता रैली सह स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में एनसीसी बक्सर के सीभी पीआई स्टाफ व डुमरांव के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के 146 कैडेट्स शामिल हुए। इस दौरान कैडेट्स द्वारा छठिया पोखरा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

कमान अधिकारी कर्नल रितेश ने अपने संबोधन में कहा कि हम सबको स्वच्छता के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए, तभी हम स्वच्छ भारत मिशन को सफल बना सकते है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब हमारा पर्यावरण दूषित हो गया है तथा धरती पर ग्लोबल वर्मिंग का खतरा बढ़ते जा रहा है, ऐसे समय में सभी को जागरूक हो स्वच्छता को अपनी आदतों में शुमार करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए आम लोगों को भी आगे आना होगा। बिना लोगों के सहयोग के इस अभियान को सफल नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि जब हम अपने आस पास की चीजों का ध्यान रखेंगे तो आगे चलकर हमारा देश एक समृद्ध राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति रोगमुक्त रहता है और एक स्वस्थ्य राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इस अभियान में बीएचएम राहुल कुमार सिंह, हवलदार रवि शंकर, राज हाई स्कूल के एनसीसी पदाधिकारी डॉ. संजय रंजन सिन्हा व अभयानंद प्रजापति समेत कई अन्य व एनसीसी कैडेट्स मौजूद थे।

वहीं, स्थानीय निवासियों ने एनसीसी के इस अभियान की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि एनसीसी कैडेट्स का यह अभियान लोगों को स्वच्छता का संदेश दे गया है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी स्वच्छता को अपनी आदतों में शुमार करने का संकल्प लिया। इसके पूर्व एनसीसी कैडेट्स द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली भी निकाली गई थी। रैली में शामिल कैडेट्स अपने हाथों में स्वच्छता की अलख जगाने वाले स्लोगन लिखे तख्तियां लिए थे तथा गगनभेदी नारे लगा रहे थे।

कलश स्थापना के साथ नवरात्र का शुभारंभ, माता के जयकारों से गूंजा डुमरांव

मां जगदंबे का आह्वान सर्वप्रथम

पूजा-पंडालों में मां जगदंबे का आह्वान सर्वप्रथम कराया गया। दीप प्रज्वलन और कलश पूजन के बाद नवरात्र की औपचारिक शुरूआत हुई। आचार्य पं. आदित्य तिवारी ने बताया कि शारदीय नवरात्र में प्रतिदिन मां आदिशक्ति के स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। उन्होंने कहा कि मां शैलपुत्री, जिन्हें पर्वतराज हिमालय की पुत्री माना जाता है, गौरवर्णी हैं और बैल उनकी सवारी है। एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल धारण करने वाली मां के मस्तक पर चंद्रमा शोभा बढ़ाता है। आचार्य ने नवरात्र को आत्म-अनुशासन और आत्मबल जागरण का कालखंड बताते हुए कहा कि इस समय आहार-विहार और संयम के माध्यम से न केवल आध्यात्मिक उन्नति होती है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

बढ़ती महंगाई ने जेब पर डाला बोझ

नवरात्र के पहले ही दिन फूल और फलों के दाम आसमान छूने लगे। सामान्य दिनों में 2 से 3 रुपये में मिलने वाला अड़हुल का फूल सोमवार को 5 रुपये प्रति फूल बिक रहा था और सुबह 10 बजे तक बाजार से पूरी तरह गायब हो गया। वहीं, केला 50 से 60 रुपये दर्जन और सेब 120 से 160 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया। मेवे और अन्य पूजा सामग्री के दामों में भी तेजी देखी गई। इसके बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह कम नहीं हुआ और लोग बड़ी संख्या में बाजार में खरीदारी करते दिखे। नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही डुमरांव भक्ति और आस्था के रंग में डूब चुका है। देवी मंदिरों की रौनक और श्रद्धालुओं का उत्साह इस पर्व की भव्यता का परिचायक बन गया है। आने वाले नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना में शहर का हर कोना देवीमय रहेगा।

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को शारदीय नवरात्र के आरंभ के साथ ही डुमरांव का संपूर्ण वातावरण देवीमय हो उठा। शहर की गलियों से लेकर मंदिरों तक हर ओर ह्लजय माता दीह्व के जयकारों की गूंज सुनाई दी। सुबह से ही श्रद्धालु देवी मंदिरों की ओर उमड़ पड़े और माता रानी के दर्शन-पूजन कर नवरात्र के पावन पर्व की शुरूआत की। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों से कलश स्थापना कराई गई। रेलवे स्टेशन स्थित दुर्गा मंदिर, डुमरेजनी मंदिर और काली मंदिर समेत अन्य देवी स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ी रही। वहीं विभिन्न पूजा-पंडालों में भी पंडितों के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने विधिविधान से कलश स्थापित किया। पूरे दिन मंदिरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, शंख-घंटा-घड़ियाल की गूंज और मां के भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। सुबह से ही शहर के मंदिरों की रौनक देखते ही बन रही थी। आकर्षक सजावट और मां की प्रतिमाओं का श्रृंगार लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शाम ढलते ही आरती के समय भीड़ चरम पर पहुंच गई। हर ओर माता के जयकारों और घंटियों की ध्वनि ने श्रद्धालुओं को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया।

नगर परिषद की लापरवाही ने बिगाड़ी स्थिति, अतिक्रमण बना सबसे बड़ी बाधा

जलजमाव से त्रस्त लालगंज कड़वी गांव : वादे अधूरे, मोहल्लेवासी बेबस

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पर हर महीने 90 लाख रुपये खर्च होने का दावा किया जाता है। लेकिन, जमीनी हकीकत यह है कि शहर के कई मोहल्लों में जलजमाव की समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है। हालात ऐसे हैं कि लोग स्वयं पम्पिंग सेट लगाकर पानी निकालने को विवश हैं। नगर का लालगंज कड़वी मोहल्ला इस अव्यवस्था का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुका है, जहां मुख्य सड़क से लेकर गलियों तक जलमग्न दृश्य रोजाना देखने को मिलते हैं। नया बोर्ड गठित होते ही शहरवासियों ने सोचा था कि अब डुमरांव की तस्वीर बदलेगी, गलियां चमकेंगी और मोहल्ले जलजमाव से मुक्त होंगे। लेकिन इन उम्मीदों पर जल्द ही पानी फिर गया। लालगंज कड़वी, जो नगर के मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ मोहल्ला है, आज भी बदहाली का शिकार है। जर्जर सड़कों पर गड्ढे और उन पर जमा पानी लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना रहा है। बरसात या हल्की बूंदाबांदी होते ही सड़कें तालाब जैसी दिखने लगती हैं। घर से बाहर निकलना महिलाओं और बच्चों के लिये चुनौती बन जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को अभिभावक गोद में उठाकर या वाहन तक पहुंचाकर भेजने को मजबूर हैं। मोहल्लेवासियों का कहना है कि खेत का पानी भी मोहल्ले में छोड़ा जाता है, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। नगर परिषद और प्रशासन के लिए यह वक्त है कि वह सिर्फ दौरा कर कर्तव्य पूरा न समझे, बल्कि अतिक्रमण हटाकर और नालियों का जीर्णोद्धार कर स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वरना जलजमाव से त्रस्त लोग चुनाव के समय इसका जवाब देना भलीभांति जानते हैं।

कार्यकारी चेयरमैन का निरीक्षण, लेकिन समाधान नहीं

शिकायतों पर नगर परिषद के कार्यवाहक चेयरमैन विकास ठाकुर ने स्थल का निरीक्षण तो किया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे लोगों में नाराजगी है, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि चेयरमैन की पहल से मोहल्ला अतिक्रमण मुक्त होगा और नालियों की स्थिति सुधरेगी।

अतिक्रमण बनी सबसे बड़ी बाधा

लालगंज कड़वी की समस्या सिर्फ जलजमाव तक सीमित नहीं है। सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण ने नगर परिषद के लिए नालियों का निर्माण कठिन बना दिया है। मोहल्लेवासियों का मानना है कि अगर प्रशासन पहले अतिक्रमण हटाए, तो जल निकासी आसान हो जाएगी और समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा।

मोहल्ले का बदला स्वरूप भी जिम्मेदार

करीब एक दशक पहले तक यह इलाका सिर्फ स्थानीय लोगों की बस्ती था। लेकिन समय के साथ यहां बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो गईं, जिनमें प्रोफेसर, अभियंता, अधिकारी और अवकाश प्राप्त कर्मचारी तक रहने लगे। तेज निर्माण और अवैध ढांचों ने जल निकासी की प्राकृतिक व्यवस्था को पूरी तरह बाधित कर दिया। नतीजा यह है कि अब वही शिक्षित और सम्पन्न वर्ग भी इस बदहाली में फंस चुका है।

वैकल्पिक मार्ग से भी बढ़ी अहमियत

स्टेशन रोड जाम होने पर वाहन चालक लालगंज कड़वी होकर ही बड़ाबाग और पूर्वी रेलवे गुमटी की ओर निकल जाते हैं। इस लिहाज से यह मोहल्ला नगर की यातायात व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण है। लेकिन यहां की जर्जर सड़कें और जलजमाव न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों के लिये भी परेशानी का सबब बनी हुई हैं।

लोग कर रहे इंतजार कब मिलेगी राहत

लालगंज कड़वी के हालात ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर दिया है। जनता का कहना है कि जब नगर परिषद हर महीने लाखों रुपये खर्च कर रही है, तो फिर इसका लाभ आम लोगों को क्यों नहीं मिल रहा। आखिर कब तक मोहल्लेवासी अपनी मेहनत की कमाई से पम्पिंग सेट लगाकर पानी निकालते रहेंगे। कब तक महिलाएं और बच्चे जलभराव से जूझते रहेंगे।

दुगार्पूजा में शांति-सौहार्द प्राथमिकता प्रशासनिक पदाधिकारियों ने कसी कमर

केटी न्यूज/डुमरांव

दुगार्पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर नया भोजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों व बुद्धिजीवियों तक ने अपनी-अपनी राय रखी और पर्व को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी सीओ कुमार दिनेश, अंचल निरीक्षक श्रीनाथ कुमार और थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने संयुक्त रूप से की। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सभी पूजा समितियों के कागजातों की गहन जांच की गई है और केवल वैध दस्तावेज वाले समितियों को ही लाइसेंस प्रदान किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि पंडालों में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और परंपरागत ढोल-नगाड़े व सांस्कृतिक कार्यक्रमों को ही बढ़ावा मिलेगा। सीओ कुमार दिनेश ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और समस्या दिखते ही तुरंत प्रशासन को सूचित करें। वहीं अंचल निरीक्षक ने कहा कि सुरक्षा को लेकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और जुलूस केवल निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार ही निकाले जाएंगे। बैठक में स्थानीय प्रतिनिधियों ने भी सहयोग का भरोसा दिया। पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत चौधरी और मुखिया प्रतिनिधि राजू राय ने कहा कि पूजा समितियां नियमों का पालन करेंगी और सामाजिक सौहार्द बनाए रखेंगी। वहीं डॉ. सुनील कुशवाहा व बबन चौधरी ने पंडालों में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं पर बल दिया। पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुशवाहा ने बिजली और प्रकाश व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया। थानाध्यक्ष ने यह भी निर्देश दिया कि पंडालों में पुरुषों और महिलाओं के प्रवेश व निकास की अलग-अलग व्यवस्था सुनिश्चित हो और समिति के वॉलंटियर्स सक्रिय रहें। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एकमत होकर कहा कि दुगार्पूजा महापर्व को शांति और उल्लास के साथ संपन्न कराना सबकी साझा जिम्मेदारी है। बैठक में शांति समिति व पूजा समितियों के सदस्य के अलावे कई अन्य गणमान्य मौजूद थे।

तेज रफ्तार बनी मौत का कारण दो की मौके पर मौत, एक गंभीर

केटी न्यूज/डुमरांव

एनएच-922 पर रामगढ़ के समीप सोमवार की देर रात रफ्तार और लापरवाही ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। साइकिल और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ब्रह्मपुर से लौट रहे ग्रहथा कला निवासी 51 वर्षीय लाल मोहर बिंद अपनी साइकिल से घर जा रहे थे। इसी दौरान ग्रहथा खुर्द निवासी भोला पासवान (पिता-राम बलिराम) अपने साथी भगत राम (35 वर्ष) के साथ बाइक पर लौट रहे थे। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार लाल मोहर बिंद और बाइक चालक भोला पासवान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं पीछे बैठे भगत राम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष बृजेश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घायल भगत राम को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। गांव में इस हादसे से शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के घर पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सांत्वना देने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अपने-अपने परिवार के सहारे थे और अचानक हुए इस हादसे ने सब कुछ उजाड़ दिया।

संस्कार जीविका समिति का वार्षिक आम सभा सम्पन्न

6000 से अधिक दीदियों का जुड़ाव, 6.59 लाख का शुद्ध लाभ

केटी न्यूज/नावानगर

संस्कार जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति नवानगर का वार्षिक आम सभा सोमवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परियोजना प्रबंधक दयानिधि चौबे, प्रखंड मेंटर संजय कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक पप्पू प्रसाद और सीएलएफ प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभा में वर्तमान वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और आगामी वर्ष के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। संस्कार सीएलएफ की कोषाध्यक्ष ने बताया कि समिति में कुल 43 वीओ और 528 समूह शामिल हैं, जिनसे लगभग 6000 दीदियां जुड़ी हुई हैं। इस वित्तीय वर्ष में सीएलएफ को कुल 6,59,303 रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। साथ ही आईसीएफ और सामान्य ऋण के रूप में लगभग 5 करोड़ 97 लाख 55 हजार रुपये का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय समन्वयक अमजद अली ने किया। आम सभा का समापन सीएलएफ अध्यक्ष रीना देवी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर जीविका के सामुदायिक समन्वयक मधु कुमारी केसरी, विकास कुमार सहित सैकड़ों जीविका कैडर और दीदियां मौजूद रही।

सिमरी में राज्यपाल के कार्यक्रम के दौरान मुश्तैद रही डॉ. लोकेश की टीम

केटी न्यूज/डुमरांव

सिमरी के कालरात्रि मंदिर परिसर में नौ दिवसीय रामकथा के उद्घाटन करने पहुंचे बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां की सुरक्षा के साथ ही जिला प्रशासन ने उनकी स्वास्थ्य सुविधा का ख्याल भी रखा था। इस दौरान डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के प्रसिद्ध सर्जन डॉ. लोकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष मेडिकल टीम को एंबुलेंस व आवश्यक दवाओं के साथ तैनात किया गया था। डॉ. लोकेश के साथ डॉ. शिव कुमार चौधरी, जीएनएम संतोष कुमार गुप्ता तथा सरफराज अहमद की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इस संबंध में सीएस द्वारा जारी पत्र में बताया गया था कि बिहार के राज्यपाल को आतंकी व उग्रवादी संगठनों के अलावे अपराधिक गिरोहों से भी खतरा है। जिस कारण सरकार के निर्देश पर कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम को एंबुलेंस व आवश्यक दवाओं के साथ प्रतिनियुक्त किया गया है। इसके अलावे सिमरी सीएचसी की पूरी टीम को भी दो एंबुलेंस के साथ अलर्ट पर रखा गया था। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था काफी पुख्ता थी तथा मेडिकल टीम की आवश्यकता नहीं पड़ी। बावजूद निर्धारित समय तक डॉ. लोकेश के नेतृत्व में डॉक्टरों व सपोर्टिंग स्टाफ की पूरी टीम तैनात रही। इस दौरान डॉ. लोकेश ने राज्यपाल से मुलाकात भी की। डॉ. लोकेश ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि राज्यपाल काफी सरल व सहज अंदाज से मिले। उनके पास अपार ज्ञान व अनुभव है तथा वे काफी आध्यात्मिक प्रवृति के है। डॉ. लोकेश ने कहा कि ऐसी शख्सियत से मिलना हमेशा नई उर्जा का संचार करता है। बता दें कि डॉ. लोकेश की गिनती डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के सबसे बेहतर विशेषज्ञ सर्जन के रूप में होती है। यही कारण है कि मरीज उनसे इलाज लेने के लिए घंटो इंतजार करते है। डॉ. लोकेश ने इस क्षण को अपने जीवन का सबसे अविस्मरणीय पल बताया। इस दौरान उनके साथ अभिनव राय समेत कई अन्य गणमान्य भी मौजूद थे।

इस पंडाल की ऊंचाई लगभग 85 फीट और चौड़ाई लगभग 70 फीट होगी

काराकाट के गोड़ारी नगर पंचायत में भव्य पंडाल में मां का दर्शन करेंगे भक्त

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट नगर पंचायत गोड़ारी में मां दुर्गा का पंडाल बंगाल के एक मंदिर के तर्ज पर बनाया जा रहा है। जो न भव्यता और आकर्षण में अद्वितीय होगा,बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष अनुभव भी प्रदान करेगा। इस पंडाल की ऊंचाई लगभग 85 फीट और चौड़ाई लगभग 70 फीट होगी,जबकि माता दुर्गा की मुख्य मूर्ति की ऊंचाई 10 फीट होगी । इस पंडाल का निर्माण श्री श्री दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष विशाल भारती और कोषाध्यक्ष प्रशांत प्रसाद की देखरेख में किया जा रहा है। बतादे कि बहुत से मंदिरों का अवलोकन करने के बाद मंदिर का पंडाल इस भव्यता और आकर्षण के कारण चुना गया है। कोषाध्यक्ष प्रशांत प्रसाद ने कहा कि आगंतुक मां दुर्गा के पंडाल और

अनुकृतियों की सुंदरता से झूमते नजर आएंगे। जबकि सुरक्षा के लिए मेडिकल टीम और फर्स्ट ऐड की व्यवस्था की गई है,साथ ही महिला पुलिस प्रशासन की भी तैनाती होगी। पंडाल के अंदर और बाहर जाने के लिए अलग-अलग द्वार और एक आपातकालीन द्वार भी रहेगा। इस साल का पंडाल सभी को आकर्षित करेगा और यहां आने वाले भक्तों के लिए एक अलग ही माहौल बनाएगा। इस पंडाल का निर्माण स्थानीय कलाकारों और कारीगरों द्वारा किया जा रहा है,जो अपनी कलात्मकता और मेहनत से इसे जीवंत बना रहे हैं। मूर्तिकार डेहरी के उदय कुमार और पंडाल निर्माता इटिम्हा निवासी बिट्टू कुमार उर्फ कल्लू हैं। जो इस भव्य पंडाल के निर्माण में जुटे हुए हैं। नवरात्रि के पहले दिन आचार्य पंडित सच्चिदानंद दुबे के मंत्रोच्चारण के बाद कलश स्थापित किया गया। आचार्य पंडित सच्चिदानंद दुबे ने बताया कि शैलपुत्री देवी दुर्गा के नौ रूप में पहले स्वरूप में जानी जाती हैं। ये ही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा है।

नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के मंदिरों पूजा अर्चना के भक्तों की उमड़ी भीड़

बिक्रमगंज। अनुमंडल क्षेत्र के सभी शहरी एवं ग्रामीण कस्बों में सोमवार को शारदीय नवरात्र की शुरूआत भक्ति-भाव,उत्साह और श्रद्धा के माहौल में हुई। सभी देवालयों और घरों में भक्तों ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप ह्यमाता शैलपुत्रीह्ण की पूजा- अर्चना कर विधि-विधान से कलश- स्थापना की । सुबह से ही मंदिरों और पूजा-पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंगल गीत,भजन और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया,महिलाओं एवं आचार्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश-स्थापना के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ कर नवरात्र की शुरूआत की। पूरे अनुमंडल में नवरात्र की रौनक देखते ही बन रही है,ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक देवी मंदिरों व पूजा-पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने भी विशेष इंतजाम किए हैं । जगह-जगह साफ-सफाई,प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था की गई है। पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि माता शैलपुत्री की उपासना से भक्तों को जीवन में स्थिरता,धैर्य और सफलता की प्राप्ति होती है। नवरात्र के प्रथम दिन माता की पूजा करने से समस्त संकट दूर होते हैं और मन को शांति मिलती है। पंडित लाल बाबू दुबे ने कहा कि नवरात्र के दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना और व्रत रखने से घर में सुख,शांति और समृद्धि आती है। माता शैलपुत्री की उपासना से आध्यात्मिक शक्ति का संचार होता है और साधक का जीवन सकारात्मक दिशा में अग्रसर होता है। स्थानीय लोगों ने भी नवरात्र के पहले दिन को उत्साहपूर्वक मनाया और माता शैलपुत्री से आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

परिजन द्वारा मारपीट कर उसकी हत्या करने का लगाया जा रहा आरोप

घर से निकले युवक का शव बराबद

केटी न्यूज/आरा

जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत चौकीपुर गांव में घर से निकले युवक का शव बरामद हुआ है। उसका शव गांव में स्थित बगीचे से सोमवार की सुबह बरामद किया गया। मृतक के शरीर पर दाहिने छाती एवं दाहिने ललाट पर चोट का निशान पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है वहीं घटना की सूचना मिलते हैं गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार मेहथा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतक गजराजगंज ओपी क्षेत्र के चौकी पर गांव निवासी स्व.चंद्रदेव पासवान का 22 वर्षीय पुत्र बैजू कुमार पासवान है। वह बेंगलुरू स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इधर मृतक के बड़े भाई वीरू कुमार ने बताया कि बेंगलुरु में रहता था और चार दिन पहले ही बेंगलुरु से वापस गांव लौटा था। रविवार की शाम सात बजे घर बोलकर निकला था कि बाहर जा रहा हूं। इसके बाद वह देर रात घर वापस लौटा और कुछ ही देर बाद फिर दोबारा निकल गया। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। इसी बीच सोमवार की सुबह ग्रामीण द्वारा सूचना मिली कि उसका शव गांव में स्थित बगीचे में पड़ा है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। वहीं दूसरी तरफ मृतक के बड़े भाई वीरू कुमार ने बताया कि गांव के कुछ लड़के जो छीना-छपटी करने को लेकर एक गैंग बनाया है। जब मेरा भाई रात में दोबारा घर से बाहर गया तो उन्हीं लोगों द्वारा उसको खिलाया पिलाया गया और उनके द्वारा अपने साथ छीना;छपटीकरने के लिए कहा जा रहा था। जब उसने मना किया तो उनके द्वारा गला दबाकर और मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ मृतक के भाई वीरू कुमार ने गांव के ही चितन नामक युवक पर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपने भाई की हत्या करने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने बताया कि उक्त युवक चितन ट्रेन पकड़ कर भाग निकला। हालांकि उसने अपने भाई की किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की दुश्मनी एवं विवाद की बातों से साफ इनकार किया है। वही पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक की मौत संदिग्ध स्थिति में होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने की बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। वही गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार मेहथा ने बताया कि परिजनों से पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वह पहले नशा करता था। जिसे लेकर उसे बाहर भेज दिया गया था और वह तीन दिन पूर्व ही पाया है। उसकी मौत कैसे हुई या स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर था। उसकी शादी इसी वर्ष मई महीने में हुई थी। अभी उसकी पत्नी के हाथों की मेहंदी भी नहीं छुट्टी थी कि उसके मांग का सिंदूर ही उजड़ गया। उसके परिवार में मां सीताझरी कुंअर, पत्नी रीना देवी, तीन भाई वीरू कुमार पासवान, बाबूराम पासवान, बैजनाथ पासवान व दो बहन सोनी एवं गुड़िया है। इस घटना के बाद मृतक की मां सीताझरी कुंअर, पत्नी रीना देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

चुनावी तैयारी पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने की बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी 26 सितंबर को बिक्रमगंज के राजीव गांधी के मैदान में होने वाले काराकाट विधानसभा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर सोमवार को पूर्व विधायक राजेश्वर राज के आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन काराकाट विधानसभा के पदाधिकारी की हुई बैठक। जिसकी अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुमार और संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल ने की। बैठक में काराकाट के पूर्व विधायक राजेश्वर राज, रालमो जिलाध्यक्ष कपिल कुमार,हम जिलाध्यक्ष कमलेश पासवान,लोजपा जिलाध्यक्ष कमलेश राय,अनुसूचित जाति प्रदेश महामंत्री भगवान परमार ने बैठक में विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार प्रगति कर रहा है डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। विपक्षी गठबंधन

पर निशाना साधा। बिहार के विकास के लिए किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए इसकी जानकारी जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। नेताओं ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार का विकास मॉडल पूरे देश के लिए अनुकरणीय बन गया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हरेक क्षेत्र में विकास दिखाई दे रहा है। नेताओं ने एनडीए कार्यकताओं से एकबार फिर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए उत्साह के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य,अरविंद पांडेय,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किशोर कुशवाहा,गुड्डू उपाध्याय,विवेक सिंह,प्रखंड अध्यक्ष संजय वर्मा, आशुतोष सिंह,जयशंकर पटेल,रमाशंकर सिंह, रामनारायण चंद्रवंशी,रवि पासवान,सूरज पासवान,सुरेश कुशवाहा,मंटू कुशवाहा,भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किरण प्रभाकर,संजय सिंह,धनंजय सिंह , गौतम तिवारी,सुरेश गुप्ता, ललित मोहन सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम और एसपी ने ईवीएम व वीवीपैट का किया त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम (रोहतास) सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग के निदेश के आलोक में ईवीएम एवं वीवीपैट का माह सितम्बर का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी रोहतास उदिता सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक, कार्यपालक अभियंता,भवन प्रमण्डल, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं अग्निशमन पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा वीवीपैट वेयरहाउस एवं ईवीएम वेयरहाउस में भण्डारित एफएलसी ओके मशीन का राजनैतिक दलों की उपस्थिति में अवलोकन किया गया तथा रैण्डम जांच की गई की सभी मशीनें दुरुस्त हैं अथवा नहीं। उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि सभी मशीनों का एफएलसी ईसीआईएल इंजिनियरों की उपस्थिति में किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा वेयरहाउस

में अधिष्ठापित हाइड्रेट एवं अग्निशमन यंत्र के बारे में जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी से प्राप्त की गई तथा अग्निशमन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि इनकी कार्यशीलता अवधि की जांच कर लें। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन संचालन हेतु मतदान केन्द्र के अनुरूप ईवीएम वीवीपैट की संख्या पर्याप्त है, यदि किसी विधानसभा में 15 से अधिक अभ्यर्थियों की संख्या 15 से अधिक होती है तो निर्वाचन विभाग से अतिरिक्त बीयू की अधियाचना की जायेगी। जिनका एफएलसी कराकर निर्वाचन में उपयोग किया जायेगा। उक्त निरीक्षण के क्रम में रामचन्द्र ठाकुर, अलख निरंजन, सत्तार अंसारी, प्रिंस राज, नन्दकिशोर पासवान, तेजप्रताप, विजय भारती,साबिर हुसैन, राकेश कुमार राय, राजेश्वर कुशवाहा,फारूक आजाद एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए।

एक नजर

महर्षि अंजनेश आश्रम में नवरात्र की हुई कलश स्थापना

सासाराम। सोमवार को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर सासाराम ताराचण्डी धाम स्थित महर्षि अंजनेश आश्रम में विधि विधान के साथ की गई कलश स्थापना। महर्षि अंजनेश आश्रम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रणजीतेशानंद जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आश्रम में विधि विधान के साथ कलश स्थापना किया गया जिसमें सभी संत,भक्त एवं शिष्यों के सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। उन्होंने ये बतलाया कि ये अनुष्ठान आज से लेकर 30 तारीख तक चलेगा। जो 29 सितंबर को कालरात्रि यानी महानिशा की पूजा होगी। साथ ही जगत कल्याण हेतु प्रतिदिन हवन आरती की जाएगी। इसकी जानकारी आश्रम के मीडिया प्रभारी रजनीश कुमार वर्मा ने दी।

अनुमंडलीय अस्पताल से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार की निकली जागरूकता रैली

बिक्रमगंज (रोहतास) अनुमंडलीय अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एएनएम स्कूल की यूनिवर्सल के सभी अधिकारी और छात्राओं ने संयुक्त रूप से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान तहत जागरूकता रैली निकाली। यह रैली अनुमंडलीय अस्पताल परिसर से निकलकर धनगाई व थाना चौक हनुमानजी मंदिर होते हुए अस्पताल परिसर में रैली संपन्न हुआ। पीएचसी बिक्रमगंज के स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलेगा। जिसमें महिलाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सकीय जांच और स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएगी। इस जागरूकता रैली में एसडीएच अस्पताल बिक्रमगंज के बीएचएम अनिल कुमार,एएनम स्कूल की प्राचार्या प्रीति गुप्ता,अर्पणा पाटीदार , राजीव कुमार,प्रणव कुमार, राजू कुमार सिंह,सूरज कुमार सहित स्कूल की सभी छात्राएं मौजूद रहे।

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

सासाराम। ट्रेन संख्या 12302 डाउन नई दिल्ली हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस सासाराम स्टेशन डाउन लाइन से सुबह करीब 6:44 बजे पास करने के दौरान स्टेशन के पश्चिमी छोर पर एक व्यक्ति प्लेटफॉर्म नंबर 3 से प्लेटफॉर्म 2 पर रेलवे लाइन पार करके जा रहा था। इसी क्रम में राजधानी एक्सप्रेस से टकराने से उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद अविलंब राजकीय रेल थाना सासाराम को सूचित किया गया जहां से अवर पुलिस निरीक्षक विश्वेश्वर शर्मा साथ स्टाफ पहुंचे, शव को कब्जा में लेकर शव को ट्रैक से हटकर परिचालन चालू किये। मौके पर ही उसके साथ सतना से आ रहे एक मित्र से पूछताछ करने पर मौजूद उसके मित्र अनूप कुमार उम्र 30 वर्ष पिता राम कुमार सिंह निवासी झलखोरा थाना करगहर जिला रोहतास ने बताया कि मृतक सरोज कुमार उम्र 25 वर्ष, पिता मूसा चंद्रवंशी निवासी तोरनी थाना शिवसागर,रोहतास का जो सतना मध्य प्रदेश में रहकर मजदूरी का काम करता था। जो दुर्गा पूजा में छूटी लेकर घर जा रहा था। इसी दौरान रेलवे लाइन पार करने के दौरान यह हादसा हो गया है। मौके पर राजकीय रेल थाना सासाराम द्वारा कागजी प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल भेज दिया।

घर से निकले युवक का शव बराबर

आरा। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत चौकीपुर गांव में घर से निकले युवक का शव बरामद हुआ है। उसका शव गांव में स्थित बगीचे से सोमवार की सुबह बरामद किया गया। मृतक के शरीर पर दाहिने छाती एवं दाहिने ललाट पर चोट का निशान पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है0 घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है वहीं घटना की सूचना मिलते हैं गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार मेहथा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतक गजराजगंज ओपी क्षेत्र के चौकी पर गांव निवासी स्व.चंद्रदेव पासवान का 22 वर्षीय पुत्र बैजू कुमार पासवान है। वह बेंगलुरू स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इधर मृतक के बड़े भाई वीरू कुमार ने बताया कि बेंगलुरु में रहता था और चार दिन पहले ही बेंगलुरु से वापस गांव लौटा था। रविवार की शाम सात बजे घर बोलकर निकला था कि बाहर जा रहा हूं। इसके बाद वह देर रात घर वापस लौटा और कुछ ही देर बाद फिर दोबारा निकल गया। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। इसी बीच सोमवार की सुबह ग्रामीण द्वारा सूचना मिली कि उसका शव गांव में स्थित बगीचे में पड़ा है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। वहीं दूसरी तरफ मृतक के बड़े भाई वीरू कुमार ने बताया कि गांव के कुछ लड़के जो छीना-छपटी करने को लेकर एक गैंग बनाया है। जब मेरा भाई रात में दोबारा घर से बाहर गया तो उन्हीं लोगों द्वारा उसको खिलाया पिलाया गया और उनके द्वारा अपने साथ छीना;छपटीकरने के लिए कहा जा रहा था। जब उसने मना किया तो उनके द्वारा गला दबाकर और मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ मृतक के भाई वीरू कुमार ने गांव के ही चितन नामक युवक पर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपने भाई की हत्या करने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने बताया कि उक्त युवक चितन ट्रेन पकड़ कर भाग निकला। हालांकि उसने अपने भाई की किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की दुश्मनी एवं विवाद की बातों से साफ इनकार किया है। वही पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक की मौत संदिग्ध स्थिति में होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने की बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। वही गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार मेहथा ने बताया कि परिजनों से पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वह पहले नशा करता था। जिसे लेकर उसे बाहर भेज दिया गया था और वह तीन दिन पूर्व ही पाया है। उसकी मौत कैसे हुई या स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर था। उसकी शादी इसी वर्ष मई महीने में हुई थी।

भक्तिमय माहौल में शारदीय नवरात्र पाठ वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में शुरू

केटी न्यूज/रोहतास

सोमवार को नवरात्र पर्व पर वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर के मां सरस्वती मंदिर परिसर में भक्तिमय रूप में मां दुर्गा सप्तशती पाठ का हुआ शुभारंभ। यह पाठ 9 दिनों का धार्मिक अनुष्ठान का होगा। जिसमें भक्त गण देवी दुर्गा की भक्ति उपासना में लीन होकर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां से विनती करेंगे। हर साल वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में पाठ का आयोजन सामूहिक रूप से छात्रों और कर्मियों के भागीदारी के साथ किया जाता है। जिस अवसर पर सोमवार को मां दुर्गा नवरात्र के पहले दिन शारदीय नवरात्रि के रूप में पाठ पूजन पुजारियों के सानिध्य में धार्मिक वेद मंत्रों के साथ आयोजित हुई। जिसमें मां दुर्गा के शैलपुत्री रूप की

पूजा की गई। जो शैलपुत्री देवी दुर्गा का पहला रूप हैं और जिसे हिमालय की पुत्री के रूप में जाना जाता है। नवरात्र पाठ के अवसर पर पहले दिन से ही पूरा महाविद्यालय परिसर भक्तिमय मंत्रों से गुंज्यमान है। इस पर हर्ष व्यक्त करते हुए महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि सनातन धर्म में नवरात्रि को एक पावन पर्व माना गया है। यह पर्व देवी-पूजन के उत्सव के साथ ही शक्ति साधना और आत्मिक शुद्धि के लिए होता है। नवरात्रि वर्ष में चार बार चैत्र, आषाढ़, आश्विन शारदीय और माघ में आती है। इनमें से शारदीय नवरात्रि को विशेष महत्व प्राप्त है क्योंकि यह पर्व देवी दुर्गा की उपासना का महा महोत्सव माना गया है। शारदीय नवरात्रि पर भक्तजन नौ दिनों तक माता रानी के विविध स्वरूपों की आराधना कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। पाठ पूजन के मौके पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रो०-ज्ञान प्रकाश सिन्हा, मनमोहन तिवारी,बलवंत सिंह, कुमार विवेक, विष्णु शंकर दुबे, विवेक कुशवाहा, रवि प्रकाश, रमाशंकर पांडे, प्रवीण सिंह सहित समस्त महाविद्यालय कर्मी ने पूजन में भाग लिया।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष ने पटना में सपरिवार किया नवरात्र पाठ

केटी न्यूज/रोहतास

सोमवार को मां दुर्गा नवरात्र की शुभारंभ होते ही मां दुर्गे का गुणगान भी शुरू हो गया। अहले सुबह से हजारों मंदिरों में भक्तों की कतारें पूजन के लगने लगीं हैं। इस पावन पर्व पर कलश की विधि विधान से स्थापना के साथ ही सप्तशती का पाठ करने से श्रद्धालुओं पर मां की विशेष कृपा बरसती है। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर काराकाट विधानसभा के भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने पटना स्थित मजिस्ट्रेट कॉलोनी हैप्पी होम अपने आवास पर पिता सिद्धनाथ सिंह, मां बिमला देवी,बेटा युवराज सिंह, बेटी राज नंदनी सहित नवरात्रि पाठ पूजन किया। सोमवार के पहले दिन भाजपा नेता डॉ. मनीष अपनी पत्नी नेहा सिंह के साथ उपवास रख भक्तिमय

माहौल में मां दुर्गा की आरती कर पूजन कर मनोकामना मांगी। उन्होंने ने बताया कि नवरात्र में घट स्थापना, जौ बोने, दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन व कन्या पूजन से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। नवरात्र में नवार्णमंत्र की साधना और दुर्गा सप्तशती के पाठ से सभी भक्तों की

मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। जबकि भाजपा नेता की पत्नी नेहा सिंह ने कहा कि नवरात्रि पर व्रत और उपवास की परंपरा सनातन धर्म का एक मुख्य प्रतीक है। जिस व्रत के करने से देवी दुर्गा को समर्पित 'सिद्ध कुंजिका स्तोत्र' दुर्गा सप्तशती का एक महत्वपूर्ण भाग है,जिसे पढ़ने से मां दुर्गा की असीम कृपा प्राप्त होती है और सभी प्रकार के कष्टों से जीवन में मुक्ति मिलती है। जो लोग रोग,शोक,कष्ट,दरिद्रता या शत्रुओं से परेशान हैं, उन्हें इस पाठ को जरूर करना चाहिए।

संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) में सोमवार को विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

गैंडे के संरक्षण के लिए पटना जू का विश्व में दूसरा स्थान, देश का अव्वल केंद्र

एजेंसी। पटना

संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) में सोमवार को विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर गैंडे के संरक्षण और संवर्धन पर विस्तृत चर्चा की गई. अधिकारियों ने गैंडा बाड़े का अवलोकन किया. उन्होंने गैंडे के संरक्षण से जुड़ी जानकारी विस्तार से ली और यहां किए जा रहे प्रजनन एवं संरक्षण कार्यों की सराहना की. दरअसल गैंडा न केवल बिहार बल्कि पूरे देश की शान है और इसका संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन के साथ-साथ जैव विविधता के लिए भी आवश्यक है. इस अवसर पर एक विशेष सेमिनार का भी आयोजन किया गया, जिसमें बी.एन. कॉलेज, पटना वीमेंस कॉलेज और जेडी वीमेंस कॉलेज के जूलॉजी विभाग के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया. सेमिनार में विशेषज्ञों ने गैंडे की प्रजातियों, उनकी जीवन शैली, वर्तमान चुनौतियों और संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत जानकारी दी. छात्रों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर अपने विचार रखे. प्रधान सचिव आनंद किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि गैंडे हमारे प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. हमारा संजय गांधी जैविक उद्यान पूरे विश्व में गेंडा संरक्षण एवं प्रजनन में सेन डिएगो जू के बाद दूसरे स्थान पर आता है. पटना जू मे गेंडा संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र की स्थापना का एकमात्र उद्देश्य ये था कि उन्हें प्राकृतिक आवास का आभास हो जो उनके संरक्षण और संवर्धन में सहायक हो. पटना जू इस दिशा में एशिया के अग्रणी संस्थानों में गिना जाता है, जहां वर्तमान में गैंडों की अच्छी संख्या है और प्रजनन केंद्र स्थापित है. उन्होंने कहा कि आज हमारे पास छह नर गैंडे यथा प्रिंस, गणेश, युवराज, शक्ती, शक्तिराज, जंबो और चार मादा गैंडे यथा घुटंगी, गौरी, गुड़िया,रानी मौजूद हैं।वन्यप्राणी अदला बदली के तहत समय-समय पर देश के कई चिड़ियाघरों में 11 गेंडों को भेजा जा चुका है. बदले में जैव विविधता के दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण जानवरों की प्राप्ति हुई है. इस अवसर पर उन्होंने ये संदेश दिया कि प्रकृति के प्रति अपना लगाव बनाएं रखें और अपना नैतिक सहयोग प्रदान करें. अपने आस-पास जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जितनी भी चीजें हैं, उनका संरक्षण करने में अपना योगदान प्रदान करें और इस धरती को और बेहतर एवं हरित बनाने में मदद करें.

वैशाली में दिनदहाड़े बैंक कर्मी की गोली मारकर हत्या

एजेंसी। पटना

बिहार में जहां एक ओर विधानसभा चुनाव हैं, तमाम राजनीतिक दल बिहार बदलने का दावा कर रहे हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी बिहार में अपराधी हावी हैं। न उनको कानून का डर है, न पुलिस का। एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। दरअसल, वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के चेचर पंचायत भवन के पास एक बैंक कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के साहिबगंज हरिहरपुर गांव निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई है। राकेश बैंक का कर्मचारी था और एक्सिस बैंक में थर्ड पार्टी लोन का काम करता था। एक्सिस बैंक के कर्मी पंकज कुमार के अनुसार, राकेश का काम लोन फाइलों का सर्वेक्षण करना और उन्हें बैंक में जमा करना था। घटना के समय वह चेचर में एक फाइल की जांच करके लौट रहा था। तीन बदमाश बाइक से आए और राकेश को पेट में गोली मार दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बिदुपुर थाने की पुलिस ने राकेश को बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है।

पटना, आरा, बक्सर से लखनऊ जाना होगा आसान!

सीएम ने 6495 करोड़ की गंगा पथ परियोजना का किया शिलान्यास

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जेपी गंगा पथ के कोईलवर तक विस्तारीकरण योजना सहित पथ निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. साथ ही निर्माण कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया. 6495 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से पटना जिला के दीघा-शेरपुर-बिहटा (कोईलवर पुल के पहुंच पथ) तक 35.65 किमी लंबी जेपी गंगा पथ परियोजना का विस्तारीकरण होगा. जेपी गंगापथ परियोजना के विस्तारीकरण का काम पूरा होने से पटना-आरा-बक्सर राष्ट्रीय उच्च पथ और लखनऊ-गाजीपुर के बीच निर्मित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और आरा-मोहनिया राष्ट्रीय उच्च पथ से कनेक्टिविटी होगी. साथ ही दानापुर-छितनावां-मनेर पथ पर लगने वाली जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना आने-जाने में भी काफी सहूलियत होगी. साथ ही बिहटा हवाई अड्डा आने-जाने में भी सुविधा होगी.कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपी गंगापथ का कोईलवर तक विस्तारीकरण कार्य आज से शुरू हो गया है. निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय पूर्ण करें. इसके निर्माण कार्य पूर्ण होने से शहरवासियों को आवागमन में और सहूलियत होगी. मुख्यमंत्री ने दीघा से ही विभिन्न जिलों के 5 अन्य पथों जिनकी कुल लम्बाई 225.475 किलोमीटर है तथा जिनकी लागत 2 हजार 900 करोड़ रुपये है, का भी शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया. इसके अंतर्गत 650 करोड़ 51 लाख की लागत से बांका, मुंगेर एवं भागलपुर जिला अंतर्गत धोरैया-इंगलिस मोड़ असरगंज पथ (लंबाई 58.47 कि.मी.) का निर्माण कार्य, 814 करोड़ 22 लाख की लागत से मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत हथौड़ी-औराई पथ में एक उच्च स्तरीय पुल (लंबाई- 21.3 कि.मी.) का पहुंच पथ सहित निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। साथ ही 373 करोड़ 56 लाख की लागत से भोजपुर जिला अंतर्गत आरा-एकौना-खैरा-सहार पथ (लंबाई 32.26 कि.मी.) के निर्माण कार्य, 701 करोड़ 26 लाख की लागत से छपरा एवं सीवान जिला अंतर्गत छपरा-मांझी-दरौली-गुठनी पथ (लंबाई-72.18 कि.मी.) के निर्माण कार्य तथा 361 करोड़ 32 लाख की लागत से नवादा, नालंदा एवं गयाजी जिला अंतर्गत बनगंगा-जेठियन-गहलौत बिन्दस पथ (लंबाई 41.25 कि.मी.) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया.

कई अन्य परियोजना की भी हुई शुरूआत

इसके अंतर्गत 650 करोड़ 51 लाख की लागत से बांका, मुंगेर एवं भागलपुर जिला अंतर्गत धोरैया-इंगलिस मोड़ असरगंज पथ (लंबाई 58.47 कि.मी.) का निर्माण कार्य, 814 करोड़ 22 लाख की लागत से मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत हथौड़ी-औराई पथ में एक उच्च स्तरीय पुल (लंबाई- 21.3 कि.मी.) का पहुंच पथ सहित निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया साथ ही 373 करोड़ 56 लाख की लागत से भोजपुर जिला अंतर्गत आरा-एकौना-खैरा-सहार पथ (लंबाई 32.26 कि.मी.) के निर्माण कार्य, 701 करोड़ 26 लाख की लागत से छपरा एवं सीवान जिला अंतर्गत छपरा-मांझी-दरौली-गुठनी पथ (लंबाई-72.18 कि.मी.) के निर्माण कार्य तथा 361 करोड़ 32 लाख की लागत से नवादा, नालंदा एवं गयाजी जिला अंतर्गत बनगंगा-जेठियन-गहलौत बिन्दस पथ (लंबाई 41.25 कि.मी.) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव: शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा एलान

हर सीट पर खड़े होंगे गौ भक्त उम्मीदवार

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने सनातनी राजनीति का शंखनाद कर दिया है। सोमवार को उन्होंने जमुई मुख्यालय से गौ मतदाता संकल्प यात्रा की शुरूआत की। यह यात्रा बोधवन तालाब स्थित जवाहर हाई स्कूल से शुरू होकर खैरा मोड़, सदर अस्पताल रोड, अटल बिहारी चौक, महाराजगंज चौक, कचहरी चौक होते हुए शिल्पा विवाह भवन तक पहुंची। यात्रा में सैकड़ों सनातनी शामिल हुए।यात्रा के समापन पर आयोजित प्रेस वार्ता में शंकराचार्य ने घोषणा की कि राज्य की सभी विधानसभा सीटों पर गौ भक्तों को निर्दलीय प्रत्याशी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वयं वे सभी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे और सनातनी हिन्दुओं से अपील करेंगे कि गौ माता को ‖राष्ट्र माता‖ का दर्जा दिलाने के संकल्प को पूरा करने के लिए इन्हीं उम्मीदवारों को वोट दें।

शहद उत्पादन में देश का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य बना बिहार

एजेंसी/पटना

पिछले करीब 20 वर्षों में बिहार ने शहद के उत्पादन में काफी तेजी से प्रगति की है। 2005 से पूर्व जहां राज्य में काफी कम मात्रा में शहद का उत्पादन होता था वहीं अब यह बढ़ कर वर्ष 2023-24 में 18,030 मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। बिहार देश में शहद का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य बन गया है। राज्य में शहद का उत्पदान लगातार बढ़ रहा है। शहद उत्पादन में बढ़ोत्तरी होने के कारण हजारों लोगों को रोजगार मिला है और इनके जीवन में खुशहाली आई है। राज्य में सरकारी योजनाओं से मिले प्रोत्साहन, वनस्पतियों की विविधता, अनुकूल जलवायु एवं प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के कारण शहद का उत्पादन बढ़ा है। प्राकृतिक संसाधनों के सही इस्तेमाल से भी इसके उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है। खासकर सरसों, लीची, सहजन, जामुन आदि फसलों के खेतों में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा मिलने से इसके उत्पादन में वृद्धि हुई है। मुजफ्फरपुर, वैशाली और समस्तीपुर लीची के बड़े-बड़े बागों के लिए जाने जाते हैं। लीची का शहद बिहार के सबसे लोकप्रिय शहद में से एक है और अपने अनोखे स्वाद के लिए इसकी बहुत मांग है। सरसों का शहद व्यापक रूप से सरसों की खेती वाले क्षेत्रों जैसे नालंदा और पटना में उत्पादित किया जाता है, इसी तरह औरंगाबाद और रोहतास में तिल का शहद भी उत्पादित किया जाता है।

बिहार के इस मंदिर में नौ दिन महिलाओं का प्रवेश वर्जित, नौवीं शताब्दी से चली आ रही परंपरा

एजेंसी। पटना

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व देशभर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। जगह-जगह माता रानी के जयकारे गूंज रहे हैं और भक्तगण पूजा-अर्चना में लीन हैं। लेकिन नालंदा जिले के प्रसिद्ध मां आशापुरी मंदिर में आज भी एक अनूठी और सदियों पुरानी परंपरा का पालन किया जा रहा है। नवरात्रि के नौ दिनों तक महिलाओं का मंदिर में प्रवेश वर्जित रहता है। गिरियक प्रखंड के घोसरावां गांव स्थित इस मंदिर में नवरात्रि के दौरान महिलाओं को मंदिर परिसर में भी प्रवेश की अनुमति नहीं होती। यही नहीं, पुरुष श्रद्धालुओं के लिए भी इन नौ दिनों में गर्भगृह के दर्शन वर्जित रहते हैं। मंदिर के पुजारी जनार्दन उपाध्याय के मुताबिक, यह परंपरा पूर्वजों के समय से चली आ रही है। पुजारियों का कहना है कि नवरात्रि में होने वाली साधनाएं तंत्र-मंत्र पर आधारित होती हैं, जिनके प्रभाव से नकारात्मक शक्तियां सक्रिय हो जाती हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान यदि महिलाएं उपस्थित हों तो उन पर इन शक्तियों का असर हो सकता है और पूजन विधि में विघ्न उत्पन्न हो सकता है। नवरात्रि के अंतिम दिन विशेष हवन के आयोजन के बाद ही मंदिर को आम श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। तब जाकर महिलाओं और पुरुषों को गर्भगृह के दर्शन का अवसर मिलता है। इस हवन का उद्देश्य मंदिर की ऊर्जा को शुद्ध करना होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दशकों से यह परंपरा चली आ रही है।

राजस्व महा अभियान में आए रिकॉर्ड 45 लाख आवेदन

एजेंसी/पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की तरफ से 16 अगस्त से 20 सितंबर 2025 तक चलाए गए महाझअभियान को राज्यवासियों से जबरदस्त आवेदन मिला है। इस अभियान के दौरान कुल 44 लाख 95 लाख 887 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें सर्वाधिक आवेदन जमाबंदी में त्रुटि सुधार के लिए आए हैं। इस बीच विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि शिविरों में ऑफलाइन लिए गए सभी आवेदन 26 सितम्बर तक महा-अभियान पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड कर दिए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने प्रमंडलीय आयुक्तों और सभी समाहत्ताओं को पत्र लिखकर यह स्पष्ट किया है कि अंतिम दिनों में भीड़ और तकनीकी समस्या के कारण कई स्थानों पर आवेदन ऑफलाइन लिए गए थे, जिन्हें अब निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन करना जरूरी है।

दूसरे राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में भी स्थापित होंगे 176 चेकपोस्ट

चुनाव को लेकर सीमावर्ती जिलों में बनाए जाएंगे 393 चेकपोस्ट

एजेंसी/पटना

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में चौकसी बढ़ा दी है। शराब समेत अन्य सभी मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए 23 प्रमुखों स्थानों को चिन्हित कर 393 चेक पोस्ट बनाए जाएंगे। इसके अलावा सीमावर्ती राज्यों के जिलों में भी 176 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर यहां मिरर चेकपोस्ट बनाए जा रहे हैं। इसमें यूपी में 96, पश्चिम बंगाल में 34 और झारखंड में 46 मिरर चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। यह जानकारी एडीजी (मद्य निषेध इकाई) अमित कुमार जैन ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने कहा कि चालू वर्ष 2025 में जनवरी से अगस्त तक 6 लाख 20 हजार 322 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। इसकी कीमत 72 करोड़ 64 लाख रुपये हैं। इसमें 12 हजार 515 लीटर देसी और 5 लाख 74 हजार 526 विदेशी शराब के अतिरिक्त 77 हजार स्पिरिट शामिल है। पिछले वर्ष अवैध शराब के खिलाफ की गई कार्रवाई से यह 16 फीसदी अधिक है। शराबबंदी कानून के 2016 में लागू होने के बाद से अब तक 2 करोड़ 75 लाख 75 हजार 369 लीटर शराब बरामद की गई है। इसमें 97 फीसदी शराब नष्ट की जा चुकी है। एडीजी ने कहा कि नेपाल से हो रही शराब की तस्करी पर रोकथाम के लिए बिहार-नेपाल की सीमावर्ती जिलों के बीच इस वर्ष जुलाई तक 188 बैठकें की गई हैं। इसके अलावा पड़ोसी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के साथ भी कई बैठकें हो चुकी हैं। इस वर्ष अगस्त तक अवैध शराब के खिलाफ की गई कार्रवाई में 84 हजार 789 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें 52 हजार 470 पीने वाले, 2 हजार 416 वारंटी और 29 हजार 903 आपूर्तिकर्ता या वितरण करने वाले शामिल हैं। 2025 में जुलाई तक अवैध शराब के मामले में 14 हजार 83 आरोपियों के नामों की इंट्री गुंडा पंजी में दर्ज की गई है। 1548 आरोपियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 129 और 1344 लोगों के खिलाफ सीसीए की धारा-3 में दर्ज की गई है। मद्य निषेध इकाई के स्तर से राज्य के बाहर से शराब की तस्करी कराने वाले 305 अभियुक्तों को चिन्हित किया गया है, जिनकी सूची संबंधित राज्यों की पुलिस को जुलाई में ही साक्षा कर दी गई है। इसमें कई अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू हो गई है। इनमें 5 आरोपियों की गिरफ्तारी मद्य निषेध इकाई की टीम ने दूसरे राज्य जाकर कर चुकी है।

सुभाषितम्

खत निजी अखबार है घर का।

- गिरिजाकुमार माथुर

चीन और भारत में 40 करोड़ अस्थाई मजदूर-कर्मचारी

आधुनिक टेक्नोलॉजी (तकनीकी) के कारण सारी दुनिया के देशों में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। युवाओं को रोजगार और नौकरी नहीं मिल रही है। सारी दुनिया के देशों में एक नया ट्रेंड चल गया है, जिसके चलते अब अस्थाई कामगार रखे जा रहे हैं। भारत में भी संविदा नियुक्ति और अस्थाई कामगारों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही चली जा रही है। बहुत कम पारिश्रमिक देकर इन्हें काम पर रखा जाता है। जब तक काम होता है, तब तक उनकी सेवाएं ली जाती हैं। इसके बाद कभी भी इन्हें नौकरी से बेदखल कर दिया जाता है। जिसके कारण भारत सहित चीन जैसे देश जो बड़ी तेजी के साथ अपनी जीडीपी को बढ़ा रहे हैं, इस समस्या से जूझ रहे हैं। दुनिया के सभी देशों में चीन का माल सबसे ज्यादा बिक रहा है। भारत जैसे देश में सबसे ज्यादा आबादी होने के कारण यहां माल की खपत ज्यादा है। चीन का सामान भारत में बड़े पैमाने पर बिकने आ रहा है। बावजूद इसके मजदूरों एवं अन्य कर्मचारियों को औद्योगिक एवं सरकारी संस्थानों में अब स्थाई नौकरी नहीं मिल रही है। इसका असर सामाजिक व्यवस्था में देखने को मिलने लगा है। अस्थाई कर्मचारियों को भारत और चीन जैसे देश में कोई किराए पर मकान नहीं देता है। युवाओं को शादी के लिए लड़कियां भी नहीं मिल रही है। हाल ही में चीन से जो समाचार आया है, उसके अनुसार 20 करोड़ शहरी श्रमिकों को चीन में किराए पर मकान नहीं मिल रहे हैं। ना ही उनकी शादी हो पा रही है। भारत में इस तरह का कोई सर्वेक्षण अभी नहीं किया गया है, लेकिन पिछले दो दशकों में जिस तरीके से भारत में नियम, कायदे-कानून में बदलाव आए हैं। सरकार और सरकारी संस्थान संविदा में नियुक्तियां कर रहे हैं। स्थाई पद धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। संविदा में बहुत कम पारिश्रमिक दिया जा रहा है। 7 हजार से लेकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन संविदा और अस्थाई कर्मचारियों को मिल रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियों और संस्थानों द्वारा ठेके पर काम दिया जा रहा हैं। जब तक ठेका रहता है तब तक उसकी नौकरी बनी रहती है, ठेका खत्म होते ही नौकरी खत्म हो जाती है। चीन ने मैन्युफैक्चरिंग एवं तकनीकी सेक्टर में सारी दुनिया में अपना झंडा गाड़ रखा है। चीन जैसे देश में भी स्थाई कर्मचारियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। अब जो भी काम हो रहा है, वह टेक्नोलॉजी के कारण औद्योगिक, कृषि कार्यों और अन्य कार्यों में मानव क्षमता लगातार कम होती जा रही है। कंपनियां उत्पादन लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने के लिए तकनीकी का उपयोग कर रहे हैं। रही सही कसर अब एआई तकनीकी पूरी कर रही है। सारी दुनिया के संपन्न देश और भारत के कोरोडों युवाओं के लिए रोजगार और नौकरी का संकट बढ़ता जा रहा है। भारत में भी डिग्री धारी और हाई स्कूल पास युवाओं, जिनकी संख्या करोड़ों में है, इनके पास कोई नौकरी और रोजगार नहीं है। जो हालात चीन के हैं, लगभग वही हालात भारत के हैं। यहां पर भी 30-35 से 40 साल की उम्र तक युवाओं की शादी नहीं हो रही है। युवाओं के पास कोई रोजगार और नौकरी के अवसर नहीं है। भारत सबसे बड़ी युवाओं की आबादी वाला देश होने के बाद भी अपने युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। ऐसे में क्या स्थिति होगी, आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। चीन की सामाजिक व्यवस्था में आबादी का संकट खड़ा होने लगा है। चीन में बुजुर्ग आबादी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। चीन में शादियां नहीं हो रही है, तो संतान भी कम पैदा हो रही है। बच्चे पैदा करने के लिए चीन की सरकार प्रोत्साहन दे रही है। भारत और एशियाई देशों को वर्तमान स्थिति में चीन की हालत को देखते हुए सबक लेने की जरूरत है। तकनीकी का उपयोग यदि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के बीच में समन्वय बनाकर करते हैं, तो वह अच्छा माना जाएगा।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है। डेसी बल ध्वनि की तीब्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार ह्यग्राहमबेलह्व बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा, भारतीय सभ्यता, वैचारिक अधिष्ठान रूपी आवाज अब केवल भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, यह विश्व भर में फैल रहे हैं और पूरे विश्व को जोड़ रहे हैं इसका एहसास हमें अब होने लगा है, क्योंकि जब हमने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों पर भारत के पीएम के अनेक विदेश दौरों में देखा कि किस तरह वहां पीढ़ियों से बसें भारतीय मूल के लोगों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्यों से संस्कारों की सरिता का प्रत्यक्ष प्रमाण दिखा जब वे भारतीय पीएम के प्रति इतनी उत्सुकता और अपनी पुरखों की मिट्टी से कोई उनके देश आता है तो उनके दिल के कोने से करोड़ों खुशियों के फव्वारे होते हैं यह हम देखते आ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्ति की परिभाषा की करें तो यह ऐसा व्यक्ति जिसका कोई पूर्वज भारतीय नागरिक था और जो वर्तमान में अन्य देश की नागरिकता या राष्ट्रीयता धारण करता है/करती है। इन लोगों के पास उसी देश का पासपोर्ट होता है। चूंकि इन लोगों के पास विदेशी पासपोर्ट होता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्तियों की गाथा की करें तो कल्पना चावला कमला हैरिस के काम और नाम तो हम जानते ही हैं इसके अलावा,अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ और नासा के वैज्ञानिक कमलेश लुल्ला अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस से पहले एक प्रतिष्ठित अमेरिकी फाउंडेशन की तरफ से सम्मानित किए गए उन 34 अप्रवासियों में से हैं, जिन्होंने अपने योगदान और कार्यों के माध्यम से अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत किया है। गोपीनाथ और लुल्ला न्यूयॉर्क के कानेर्गी कॉरपोरेशन की तरफ से नामित ह्य2021 ग्रेट इमिग्रेंट्स (महान प्रवासी) की लिस्ट में शामिल हैं।ये एक गैर सरकारी संगठन है।विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारतीय समुदाय का दबदबा कायम रखते हुए भारतीय मूल के छह किशोरों ने अमेरिका का प्रतिष्ठित डेविडसन फेलो स्कॉलरशिप हासिल कर ली है। सिंगापुर में भारतीय मूल के सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव शक्तिबालन बालथंडौथम को अपने लीवर का एक हिस्सा एक साल की बच्ची को दान करने के लिए द स्ट्रेट्स टाइम्स सिंगापुरियन ऑफ द ईयर 2021 का पुरस्कार मिला है, जिससे वह पहले कभी नहीं मिले थे। अमेरिका में मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित होने वाली एक प्रमुख विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रतियोगिता में भारतीय मूल के बच्चों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता के पांच विजेताओं में भारतीय मूल के चार बच्चे शामिल हैं, जिसमें 14 वर्षीय भारतीय मूल के लड़के ने प्रतियोगिता में शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किया है। साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति की करें तो भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति व सभ्यता है। इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है। जीने की कला हो, विज्ञान हो या राजनीति का क्षेत्र भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है।अन्य देशों की संस्कृतियाँ तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती रही हैं किंतु भारत की संस्कृति व सभ्यता आदिकाल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई है। पूरे विश्व में भारत अपनी संस्कृति और परंपरा के लिये प्रसिद्ध देश है। ये विभिन्न संस्कृति और परंपरा की भूमि है। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता का देश है।

भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण तत्व अच्छे शिष्टाचार, तहजीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएँ और मूल्य आदि हैं। अब जबकि हरेक की जीवन शैली आधुनिक हो रही है, भारतीय लोग आज भी अपनी परंपरा और मूल्यों को बनाए हुए हैं। विभिन्न संस्कृति और परंपरा के लोगों के बीच की घनिष्ठता ने एक अनोखा देश, भारत बनाया है। अपनी खुद की संस्कृति और परंपरा का अनुसरण करने के द्वारा भारत में लोग शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति के प्रमुख विशेषताओं की करें तो ,(1)आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का समन्वय, (2)-सम्मानता- सम्भाव का होना,(3)-अनेकता में एकता की शक्ति , (4)-भारत माता का हित एवं उन्नति-तरक्की की सोच (5)-ग्रहणशीलता- उत्सवों की प्रांगणता (6)- शास्त्रों की महानता, व उपयोगिता, (7)- विविधता-प्राचीनता (8)-भावनाएँ-विश्वास-परम्पराएं, (9)- गतिशीलता-निरंतरता,(10)- लचीलापन एवं सहिष्णुता,(11)- वसुधैव कुटुम्बकम्‍ की भावना,(12)-जीवों का संरक्षण, सभी प्राणियों के हितैषी, (13)- लोकहित और विश्व-कल्याण, (14)- पर्यावरण संरक्षण,(15)- नारियों का सम्मान व उत्थान। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वाराएक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, एक भारतीय दुनिया में कहीं भी रहे, कितनी ही पीढ़ियों तक रहे, उसकी भारतीयता, उसकी भारत के प्रति निष्ठा, लेश मात्र भी कम नहीं होती। वो भारतीय जिस देश में रहता है पूरी लगन और ईमानदारी से उस देश की भी सेवा करता है। जो लोकतांत्रिक मूल्य, जो कर्तव्यों का ऐहसास उसके पुरखे भारत से ले गए होते हैं, वो उसके दिल के कोने में हमेशा जीवंत रहते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत एक राष्ट्र होने के साथ ही एकमहान परंपरा है, एक वैचारिक अ?धिष?ठान है, एक संस?कार की सरिता है।भारत वो शीर्ष चिंतन है- जो वसुधैव कुटुंबकम की बात करता है। भारत दूसरे के नुकसान की कीमत पर अपने उत्थान के सपने नहीं देखता। भारत अपने साथ सम्पूर्ण मानवता के, पूरी दुनिया के कल्याण की कामना करता है। इसीलिए, कनाडा या किसी भी और देश में जब भारतीय संस्कृति के लिए समर्पित कोई सनातन मंदिर खड़ा होता है, तो वो उस देश के मूल्यों को भी समृद्ध करता है। इसलिए, आप कनाडा में भारत की आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हैं, तो उसमें लोकतन्त्र की साझी विरासत का भी सेलिब्रेशन होता है। और इसलिए, मैं मानता हूँ, भारत की आजादी के अमृत महोत्सव का ये सेलिब्रेशन कनाडा के लोगों को भी भारत को और नजदीक से देखने समझने का अवसर देगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा विदेशों में बसे भारतीयों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्यों संस्कारों की सरिता हमेशा जीवंत पर रहती है तथा वैश्विक स्तरपर भारत की प्रतिष्ठा शीर्ष स्तरपर पहुंचाने में भारतीयों, भारतीय मूल के सभी लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

क्या स्वरचित चक्रव्यूह में उलझ चुका इस्लामी जगत

- तनवीर जाफरी

कतर की राजधानी दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर गत 9 सितंबर को किए गए इजराइली हवाई हमले के बाद पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। सबसे अधिक आश्चर्य दुनिया को इस बात को लेकर है कि कतर मध्य एशिया में अमेरिका का सबसे खास सहयोगी देश है। कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घनिष्टता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अभी गत मई में ही कतर के अमीर ने लगभग 400 मिलियन डालर अर्थात लगभग 3,300 करोड़ रुपये का एक ऐसा बोइंग 747-8 लग्जरी हवाई जहाज राष्ट्रपति ट्रंप को भेंट किया जो अमेरिका के वर्तमान एयर फोर्स वन विमान के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। कतर अमेरिका का इतना खास है कि आज विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस है जोकि कतर की राजधानी दोहा से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ 11,000 से भी ज्यादा अमेरिकी सैनिक हर समय तैनात रहते हैं। यहीं अमेरिका का केंद्रीय कमांड भी है जिसके द्वारा वह इस पूरे क्षेत्र में सैन्य अभियान संचालित करता है। इसके अतिरिक्त अन्य कई सैन्य अड्डे इराक, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात व कुवैत में भी हैं। इस तरह 18 मुस्लिम बहुल देशों में छोटे बड़े व अलग अलग सैन्य संचालन सुविधाओं से युक्त कई अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। इन देशों में अमेरिकी सैन्य बेस का अर्थ है कि उन देशों को अमेरिका ने सैन्य सुरक्षा प्रदान की हुई है। और प्रायः ऐसे अधिकांश देश अपनी आंतरिक सुरक्षा का ढांचा तो जरूर रखते हंर परन्तु उनके पास पेशेवर सेना या सैन्य साजो सामान नहीं होते। इसी लिए 9 सितंबर को कतर पर हुये हमले के बाद यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस दोहा में होने के बावजूद दोहा में ही इस्त्राईली सेना ने हवाई हमले का सहस कैसे किया ? क्या इस्त्राईल ने अमेरिका की कोई परवाह नहीं की ? या अमेरिका को इस हमले की पूर्व सूचना दे दी गयी थी ? अगर अमेरिका को इन हमलों का पता था तो उसने कतर को समय पूर्व सूचित क्यों नहीं किया ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि अमेरिकी एयर बेस होने के बावजूद अमेरिका कतर की इसी तरह की सुरक्षा करेगा तो ऐसे सैन्य अड्डों का लाभ क्या ? और इसी से निकलता इस वक़्त का सबसे अहम सवाल कि तो क्या कतर सहित अमेरिकी सुरक्षा पर आश्रित सभी देशों को अपना सुरक्षा गार्ड बदलने की जरुरत है ? या फिर इस्लामी जगत की एकजुटता और संयुक्त सैन्य आत्मनिर्भरता ही अकेला रास्ता है जो मुस्लिम जगत को अमेरिकी - इस्त्राईली शिकंजे से मुक्त करा सकता है ? दरअसल 9 सितंबर को दोहा पर इस्त्राइली हमले के बाद गत 15 सितंबर को दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसी शिखर सम्मेलन में मिस्त्र ने यह प्रस्ताव पेश किया कि नाटो की संयुक्त सेना की ही तर्ज पर इस्लामी देशों की एक ऐसी संयुक्त सेना यानी अरब यूनिफाइड आर्मी का गठन किया जाये जिसमें सेना, वायुसेना और कमांडो इकाइयों का तालमेल, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत किया जा सके। मिस्त्र के इस प्रस्ताव को ईरान, इराक, सऊदी अरब, मोरक्को और अल्जीरिया जैसे देशों से समर्थन हासिल हुआ है। इस प्रस्तावित संयुक्त सेना का उद्देश्य यह है कि अगर किसी मुस्लिम देश पर हमला हो, तो सभी सदस्य मुस्लिम देश मिलकर जवाब दें। यह बल नौसेना, वायुसेना और जमीनी इकाइयों पर आधारित होगा, जिसमें कमांडो, आतंकवाद-रोधी और शांति रक्षा इकाइयां शामिल होंगी। इस तरह का प्रस्ताव कोई पहली बार नहीं आया है। बल्कि इससे पहले 2015 में भी मिस्त्र ही ऐसा प्रस्ताव ला चुका है परन्तु उसपर न कोई अमल हुआ न ही पुनर्विचार।

परन्तु अब इस्त्राईल द्वारा गजा में किया जा रहा जनसंहार, उसपर अमेरिका सहित पूरी दुनिया की खामोशी और इसी खतरनाक खामोशी की आड़ में इस्त्राईल द्वारा मध्य एशिया में अपने पांव पसारते हुये अपने ग्रेटर इस्त्राईल नापाक मंसूबों पर तेजी से आगे बढ़ने की योजना ने इस्लामी जगत को यह सोचने के लिये बाध्य कर दिया है कि यदि उन्होंने अपने को यथाशीघ्र एकजुट नहीं किया तो कहीं ऐसा न हो कि आने वाले समय में एक एक कर सभी मुस्लिम राष्ट्रों को अमेरिका इस्त्राईली की ऐसी ही साजिश का शिकार होना पड़े ? दुनिया को इस चाल को भी समझने की जरुरत है कि पूरे विश्व में लोकतान्त्रिक व्यवस्था की वकालत करने वाले अमेरिका को इस्लामी जगत के शाहों,बादशाहों व प्रिंस के शासन से कोई आपत्ति नहीं होती। इस पूरे कुचक्र का कारण यह है कि यह पूरा मध्य एशिया क्षेत्र तेल सम्पन्न इलाका है और अमेरिकी इन तेल संसाधनों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण रखना चाहता है। अपने इसी उद्देश्य के तहत वह इस क्षेत्र में शिया वर्चस्व का भय दिखाकर ईरान के साथ अन्य अरब देशों को एकजुट भी नहीं होने देता। परन्तु ईरान ने 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद तथा पहलवी शासन का अमेरिकी समर्थित राजतन्त्र उखाड़ फेंकने के बाद न केवल अपने तेल भंडारों को अमेरिकी गिद्ध दृष्टि से सुरक्षित किया बल्कि स्वयं को शिक्षा,विज्ञान,शोध व सैन्य यहाँ तक कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी इतना मजबूत किया कि पिछले दिनों दुनिया भर में अपनी आक्रामकता दिखने वाले इस्त्राईल को ईरान के सामने घुटने टेकने पड़े। यहाँ तक कि अपने ऊपर हुये अमेरिकी हवाई हमले का बदला लेकर भी ईरान ने यह साबित कर दिया कि ईरान अन्य अमेरिकी पिछलग्गू अर्ब देशों से बिल्कुल भिन्न सोच व नीति रखने वाला लोकतान्त्रिक देश है। ईरान ने उन कठिन परिस्थितियों में स्वयं को इतना मजबूत किया जबकि अमेरिका ने दशकों से ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगा रखे हैं।

एक देश-एक चुनाव- भारत में नई चुनावी क्रांति का आगाज...?

- ओमप्रकाश मेहता

भारत में मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस के गंभीर आरोपों के बीच मोदी सरकार अगले 5 वर्षो में एक नई चुनावी क्रांति लाने की तैयारी कर रही है, जिसे एक देश - एक चुनाव नाम दिया गया है। इसके तहत मोदी सरकार का प्रयास है कि भारतीय संविधान की चुनावी संबंधी धाराओं में संशोधन कर संसद से लेकर पंचायत के तक के चुनाव पूरे देश में एक साथ करवा जाए, जिससे देश को अपार धनराशि के खर्च, समय और मानवीय श्रम से मुक्ति मिल सके, और एक बार सत्तारूढ़ राजनीतिक दल शांति से अपने जनहित के चुनावी वादों को लागू कर सके, सत्तारूढ़ दल भाजपा की दलील है कि इस नए कानून के लागू हो जाने के बाद जहां करीब 70,000 करोड़ की राशि का अन्य जनहित के कार्यों में सदुपयोग हो सकेगा, वहीं बिना किसी विघ्न-बाधा या झंझट के एक बार सत्ता हासिल करने वाले राजनीतिक दल शांतिपूर्वक जनहित की सरकारें चला पाएंगे। मोदी सरकार इस दिशा में काफी सक्रिय हो गई है, और संभव है अगले पांच या छः वर्षों में यह नई चुनावी क्रांति सक्रिय रूप से काम करने लगे। उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के बाद पांच या छः चुनाव इसी पद्धति से संपन्न हुए थे, 1967 के बाद इस पद्धति में संसद, विधानसभाएं भंग करने के कारण परिवर्तन आया और संसद, विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने लगे, इससे जहां देश के अपार धन का अपव्यय हुआ, वहीं सरकारें भी अस्थिर रही और जनहित के कार्य भी ठीक से नहीं हो पाए। इसलिए अब मोदी सरकार पुरानी पद्धति को फिर से लागू कर, देश में नई चुनावी क्रांति लाना चाहती है, संभव है मौजूदा दशक के अंत तक यह नई चुनावी क्रांति देश में लागू हो जाए। फिलहाल चुंकि इससे संबंधित कानून- संविधान संशोधन संसद से पारित होना है और इसी प्रायस में मोदी सरकार प्रतिपक्ष कांग्रेस सहित सभी मुख्य राजनीतिक दलों से चर्चारत है और कांग्रेस सहित कई अन्य दल इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति भी व्यक्त कर चुके हैं। यदि मोदी सरकार अपने इन प्रयासों में सफल हो जाती है, तो फिर देश को बार-बार के अलग-अलग क्षेत्रों में चुनावों पर खर्च होने वाले अपार धन व समय के अपव्यय से मुक्ति मिल जाएगी और सत्तारूढ़ होने वाले राजनीतिक दल शांतिपूर्वक सरकारें चला पाएंगे। वैसे समग्र दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रस्ताव को राजनीतिक नहीं देशहित व जनहित के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हमारे देश में प्रचलित चुनावी संस्कृति कई मायनों में जनहित से जुड़ी तो है, किंतु इसके अपवाद भी कई बार सामने आए हैं, इसलिए मोदी सरकार के इस प्रस्ताव को सवार्नुमति मिलनी चाहिए, जिससे देश को अपार धन व समय की बबार्दी से मुक्ति मिल सके।

आज का राशिफल

मेष आज दिन बेहद उत्तम और संतोषजनक रहने वाला है। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी।

तुला आज आपको कार्यस्थल पर अपनी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करना पड़ सकता है।

वृषभ आज व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक लंबे समय से आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो अब वह वापस मिल सकता है।

मिथुन दिन बेहद शुभ रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

कर्क कारोबार के मामले दिन अच्छा रहेगा। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मकर आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज कुछ मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के मामले में नए स्रोत बनते नजर आएंगे।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में दिन भागदौड़ भरा रहने की संभावना है।

कन्या कार्यक्षेत्र में अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी।

मीन दिन मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आपको कुछ धन खर्च करना पड़ सकता है।

विशेष

मोदी के पीछे पड़े राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टारगेट कर रहे हैं। पिछले 11 वर्षों से नरेंद्र मोदी राहुल गांधी को टारगेट कर रहे थे।अब ग्रह दशा बदली है। राहुल के अच्छे दिन आ गए हैं। उन्हें लगता है , इसी साल वह प्रधानमंत्री बन सकते हैं। ज्योतिषी भी यही कह रहे हैं।मोदी जी को घेरने के लिए अब बनारस मे हाइड्रोजन बम फोड़कर मोदी को पराजित करने की कोशिश कर रहे हैं राहुल गांधी। हाइड्रोजन बम फूटने के बाद क्या होगा, इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है।

मोदी सरकार का बचत उत्सव?

नवरात्रि पर सरकार ने जीएसटी की दरों को कम करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा अब चीजें सस्ती हो जाएंगी। उन्होंने नवरात्रि पर पर बचत उत्सव मनाने का आह्वान किया। पिछले 7 वर्षों से सरकार जीएसटी का दायरा बढ़ता जा रहा था। सभी वस्तुओं और सेवाओं को जीएसटी के दायरे में लाया गया। 12-18 और 28 फीसदी टैक्स गरीबों से भी वसूल किया गया।अब कुछ चीजों को पांच फीसदी में लाकर सरकार उत्सव मनवा रही है। जब लोगों के पास खरीदने के लिए पैसे ही नहीं है। तो वह उत्सव कैसे मनाए।अपनी मजबूरी को रोए। कारें बिकना बंद हो गई थी। स्टॉक यार्ड में हजारों कारें जमा हैं ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की मांग पर टैक्स 28 से घटाकर 18 कर दिया।लोगों को ना तो कर्ज मिल रहा है। नाही पेट्रोल डीजल सस्ता हुआ है।कार खरीदे भी तो कैसे खरीदें।

कार्टून कोना

राहुल गांधी के समर्थन में आए संजय राउत, कहा– महाराष्ट्र में महायुति के 90 प्रतिशत विधायक वोट चोरी से जीते

आज का इतिहास

1862: प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता श्रीनिवास शास्त्री का जन्म. 1863: क्रांतिकारी राव तुलाराम का निधन. 1932: सऊदी अरब का गठन हुआ. 1939: आस्ट्रियाई मनोवैज्ञानिक सिगमंड का निधन. 1956: ब्रिटेन और फ्रांस ने स्वेज नहर का मामला सुरक्षा परिषद में उठाया. 1965: भारत पाक युद्ध में युद्ध विराम हुआ. 1972: फिलीपींस में मार्शल लॉ लागू किया गया. 1973: जुआन पेरो और इसाबेल पेरो अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुने गए. 1976: दक्षिण अफ्रीका ने श्वेतों और अश्वेतों की टीम अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में भेजने का फैसला किया. 1990: स्विस नागरिकों ने देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने के विरोध में मत दिया. 1991: आर्मेनिया ने सोवियत संघ से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1992: भारत द्वारा पायलट रहित विमान का तीसरा सफल प्रक्षेपण हुआ.

दैनिक पंचांग

23 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

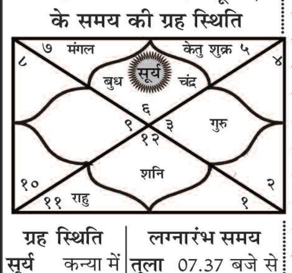

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.37 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	09.52 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.08 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.59 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.32 बजे से
शनि	मीन में	मेष	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.41 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.55 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	03.11 बजे से
बजे तक		कन्या	05.23 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 266 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 04.52 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 13.40 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 20.23 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.52 बजे तदनन्तर कौलव 04.52 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 06' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872476 **जूलियन दिन** 2460941.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के वासेपुर में युवक की गला रेतकर हत्या

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के वासेपुर आरा मोड़ मटकुरिया चेकपोस्ट क्षेत्र में सोमवार को एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई।22 वर्षीय सोनू यादव की गला रेतकर हत्या कर दी गई। वहीं शव को सरकारी आंगनबाड़ी स्कूल के सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही बैंक मोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्राथमिक जांच में साफ हो गया है कि सोनू यादव की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों को जांच तेज करने का निर्देश दिया। डीएसपी ने बताया कि हत्या के पीछे की वजहों का पता लगाने के लिए पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। वहीं सोनू यादव के घर में मातम छा गया है। परिजन बदहवास हालत में हैं और लगातार रो-रोकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

टीम आदित्य के 13 व टीम तुलसी के 8 प्रत्याशी जीते, पहली बार कार्यकारिणी में चार महिलाएं

रांची, एजेंसी। झारखंड चैंबर के सत्र 2025-26 की कार्यकारिणी का चुनाव रविवार को डंगराटोली स्थित स्वर्णभूमि बैंक्वेट हॉल में हुआ। सुबह नौ से शाम पांच बजे तक हुए मतदान में 4070 में से 2527 मतदाताओं ने वोट डाले। यानी 62 फीसदी। यह चैंबर चुनाव में अब तक का सबसे ज्यादा मतदान है। मतदान के तत्काल बाद मतगणना हुई और रात आठ बजे परिणाम घोषित किया गया। इसमें टीम आदित्य ने जीत दर्ज की। आदित्य मल्होत्रा की टीम के 13 सदस्यों ने जीत दर्ज की, वहीं टीम तुलसी पटेल के आठ उम्मीदवार जीते। सबसे ज्यादा 1939 वोट आदित्य मल्होत्रा को मिले तो 1694 वोट के साथ प्रवीण लोहिया दूसरे नंबर पर रहे। पहली बार चुनाव लड़ने वालीं टीम तुलसी की विनिता सिंघानिया 1686 वोट हासिल कर तीसरे स्थान पर रहीं। ऐसा पहली बार है जब कार्यकारिणी में चार महिला सदस्य चुनी गई हैं। इनमें विनीता सिंघानिया, पूजा ढाढा, आस्था किरण व ज्योति कुमारी शामिल हैं। परिणाम की घोषणा के दौरान रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भी मौजूद थे। उन्होंने कहा-चैंबर चुनाव लोकतांत्रिक ढंग से हुआ। व्यापारियों ने रिकॉर्ड मतदान किया, जो चैंबर के लिए गौरव की बात है। जीएसटी सरलीकरण पर प्रधानमंत्री ने लोगों को उपहार दिया है। अब इस टीम का टास्क है कि वे आम लोगों को जीएसटी में कमी का लाभ दिलाएं। जीत के बाद अब आदित्य मल्होत्रा का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि हमारी टीम की पहली प्राथमिकता व्यापार और उद्योग जगत के उत्थान के लिए सरकार के साथ समन्वय बनाकर काम करना है। राज्य में ज्यादा पूंजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार कराएंगे। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करेंगे। लाइसेंसों का सरलीकरण, कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार, पुलिस रिफॉर्म लागू करवाने, खदान और खनिज की विसंगतियों दूर करने का प्रयास करेंगे। सभी कृषि बाजार समितियों में आधारभूत सुविधाएं व आधुनिकीकरण, कृषि कर प्रावधान को हटवाना भी प्राथमिकता है।

12 को मेगा मैराथन में 25000 युवा साबित करेंगे रांची खेल की उर्वरा भूमि : संजय सेठ

रांची, एजेंसी। मोरहाबादी मैदान से रविवार की सुबह सांसद खेल महोत्सव 2025 की शुरुआत साइक्लोथॉन के साथ हुई। इस दौरान रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि हमारे युवाओं का स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की कुंजी है। साइकिलिंग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। खेल महोत्सव के माध्यम से हम रांची के युवाओं में उत्साह और खेल प्रेम को बढ़ावा देना चाहते हैं। 12 अक्टूबर को होने वाली मेगा मैराथन में 25,000 युवा भाग लेंगे, जो यह साबित करेगा कि रांची खेल की उर्वरा भूमि है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि खेल और स्वास्थ्य को अपने जीवन में प्राथमिकता दें और उत्साहपूर्वक हिस्सा लें। रविवार को लगभग 2000 युवाओं, स्कूली बच्चों, महिलाओं और साइक्लिंग प्रेमियों ने 4 किमी. तक साइकिल चलाकर कार्यक्रम में भागीदारी की। सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। साइक्लोथॉन का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, रक्षा राज्यमंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार जीत चुकीं साइकिलिंग चैंपियन कमांडर गौरी मिश्रा ने झंडी दिखाकर किया। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट, तीरंदाजी, वुशु, एथलेटिक्स, लॉन बॉल, रस्साकशी, फिट्टो और गिल्ली- डंडा जैसे खेल शामिल होंगे। साथ ही योग शिविर और मनोरंजक फन गेम्स भी होंगे।

झारखंड में 26 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट, कई जिलों में 'येलो' चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड में 26 सितंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में एक ताजा निम्न दबाव क्षेत्र बनने से यह स्थिति बनी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और पूर्वी सिंहभूम सहित कई जिलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ बारिश हो सकती है।विभाग ने बताया कि अगले तीन दिनों में तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी।

दुर्गापूजा में भीगा माहौल, नवरात्र से पहले बढ़ी चिंता: सोमवार से नवरात्र की शुरुआत हो रही है। 25 सितंबर से पूजा पंडालों व बाजारों में भीड़ उमड़ने लगेगी। ऐसे में बारिश लोगों के उत्साह पर पानी फेर सकती है। पंडालों के आसपास दुकान लगाने वालों और छोटे कारोबारियों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 26 सितंबर तक पूरे झारखंड में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इससे अगले तीन दिनों में तापमान में भी 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। बारिश किसानों और फसलों के लिए राहत लेकर आएगी, लेकिन दुर्गापूजा की तैयारियों और आम लोगों की दिनचर्या पर असर डाल सकती है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो सकता है निम्न दबाव : मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर अंडमान सागर और इससे सटे म्यानमार तट के ऊपर ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवात सक्रिय है। इसके प्रभाव से अगले 24 घंटों में दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। 25 सितंबर तक यह सिस्टम पूर्व-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी में सक्रिय रहेगा। इसके बाद यह और मजबूत हो सकता है। 27 सितंबर तक इसके दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश तट तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में बिहार और झारखंड के उत्तरी, मध्य और पश्चिमी जिलों में अच्छी बारिश देखने को मिलेगी।

सतर्क रहने की अपील, अलर्ट जारी मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। बारिश के दौरान खुले स्थानों, कमजोर पेड़ों और पुराने ढांचों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। विभाग ने साफ कहा है कि 24 सितंबर को पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। वहीं 25 सितंबर को खूंटी, गुमला समेत कोल्हान के जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

रविवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में गिरिडीह जिले के पलगंज में राज्य में सबसे अधिक 70 मिमी बारिश हुई। इसके बाद नंदादीह में 65.6 मिमी और कोनर में 54.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। जमशेदपुर में राज्य का सबसे अधिक तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि लातेहार में सबसे कम 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, इस मानसून सीजन में राज्य में 18 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 1 जून से अब तक राज्य में 1,140 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 962.4 मिमी होती है।

गिरिडीह में दो छात्रा ने कुएं में कूदकर दी जान

गिरिडीह , एजेंसी। गिरिडीह में दो छात्राओं ने कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया। दोनों स्कूल देरी से पहुंची तो शिक्षक ने अभिभावकों के साथ आने का था। इसके बाद पेरेंट्स की डांट फटकार की बात सोच दोनों इतनी डर गई कि कूएं में कूदकर जान दे दी। घटना सरिया थाना क्षेत्र की है। मृतकाओं में जाहिदा खातून (13) और गुलाबशा परवीण (14) शामिल है। दोनों उत्क्रमित उच्च विद्यालय चिरुवां-कपिलो की आठवीं कक्षा की छात्राएं थीं।

बताया जाता है कि ये दोनों छात्राएं कई दिनों से स्कूल देर से आ रहीं थीं। गुरुवार को समय से सुबह नौ बजे स्कूल पहुंचीं, लेकिन चल रही प्रार्थना सभा में शामिल न होकर स्कूल में बैग रखकर फिर बाहर निकल गईं और आधे घंटे बाद स्कूल पहुंची। प्रभारी प्रधानाध्यापक जयप्रकाश रविदास के मुताबिक आधे घंटे गायब रहने के बाद तीन छात्राएं क्रमशः जाहिदा, गुलाबशा और शना स्कूल लौटी तो आईटीसी के शिक्षक जागेश्वर प्रसाद ने उन्हें सूचित किया।

तीनों से गायब रहने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कुछ नहीं बताया। इस पर तीनों से कहा गया कि वे अपने अभिभावकों को साथ लेकर स्कूल आएं और उन्हें घर भेज दिया गया। काफी देर बाद एक छात्रा शना अपने अभिभावक के साथ विद्यालय पहुंची, लेकिन उसके साथ गई अन्य दो छात्राएं वापस नहीं आई। इधर, घटना की सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और कुएं से शव को निकाला गया। मौके पर सरिया पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

दोनों मृत छात्राओं की सहपाठी छात्रा शना परवीण ने बताया कि विद्यालय के हिंदी विषय एवं आईटीसी के शिक्षक जागेश्वर सर कुछ बातों को लेकर हम तीनों से नाराज थे और अपने अभिभावक के साथ आने के लिए घर भेजा था। इससे जाहिदा और गुलाबशा डर गई। दोनों आपस में बात कर रही थीं कि विद्यालय में शिक्षक से तो डांट सुने ही है अब अभिभावक को लेकर जाएंगे तो उनसे भी डांट सुननी होगी तो हमलोग घर ना जाकर कुछ दूर कुआं पर जाकर बैठेंगे।

हाईकोर्ट के अंतिम आदेश से प्रभावित होगी एपीपी नियुक्ति प्रक्रिया,160 पदों पर होनेवाली है बहाली

रांची, एजेंसी। झारखंड अभियोजन सेवा के तहत सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) के 160 पदों पर होनेवाली नियुक्ति झारखंड हाई कोर्ट के दो याचिकाओं के मामले में आनेवाले अंतिम आदेश से प्रभावित होगी।

झारखंड लोक सेवा आयोग ने यह सूचना प्रकाशित करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। जितने पदों के विरुद्ध नियुक्ति होगी, उनमें 134 नियमित तथा 26 बैकलाग पद सम्मिलित हैं।

इससे पहले आयोग ने उच्च न्यायालय द्वारा 11 जुलाई को पारित आदेश के तहत उम्र सीमा का कट आफ डेट एक अगस्त 2019 करते हुए विज्ञापन में संशोधन किया था। साथ ही आवेदन की समय सीमा बढ़ा दी थी। इसके बाद आयोग ने उच्च न्यायालय के ही एक अन्य मामले में पारित आदेश के तहत आयु सीमा का कट आफ डेट एक अगस्त 2018 किया गया। साथ ही आफलाइन आवेदन की समय सीमा आठ सितंबर तक बढ़ाई गई। इस तरह आफलाइन आवेदन की निर्धारित अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया संबंधित कार्रवाई को आगे जारी रखने का निर्णय लिया है।यह कोर्ट के अंतिम आदेश से प्रभावित होगी। बताते चलें कि शुरू में आयु सीमा का कट आफ डेट एक अगस्त 2024 निर्धारित किया गया था, जिसे कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

झारखंड हाईकोर्ट की अनुशंसा पर न्यायिक सेवा के दो अफसरों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई है। इनके नाम क्रमशः लक्ष्मण प्रसाद और तौफीक अहमद हैं।न्यायिक सेवा के इन दोनों अधिकारियों को अनिवार्य रूप से सेवानिवृत कराए जाने से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इन्हें इसके साथ नियमानुसार तीन महीने का वेतन दिया गया है।लक्ष्मण प्रसाद, चाइबासा में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश (एसीबी) के पद पर पदस्थापित थे तो तौफीक अहमद विधि विभाग में अवर सचिव सह विधि परामर्शी के पद पर पदस्थापित थे।

निरसा में युवक की रहस्यमयी मौत, सड़क किनारे मिली लाश, परिजनों ने जताया हत्या का शक

निरसा (धनबाद), एजेंसी। निरसा थाना क्षेत्र के शासनबेड़िया यूनिक बार के समीप कोलकाता दिल्ली लेन पर रविवार की देर रात निरसा निवासी 38 वर्षीय श्यामल रूज का शव मिला।

प्रथम दृष्टि में पुलिस इसे सड़क दुर्घटना मान रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है। वहीं मृतक के स्वजन श्यामल की हत्या कर शव को सड़क पर फेंक इसे आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगा रहे हैं।

पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मृतक की मां चंदना रुज ने बताया कि रविवार की संध्या लगभग 7-45 बजे मेरे पुत्र के फोन पर किसी का फोन आया। वह बार-बार उसे कहीं जाने के लिए बोल रहा था। मेरा पुत्र बार-बार इन्कार कर रहा था। उस वक्त बारिश हो रही थी। इस कारण मेरा पुत्र घर से जाना नहीं चाह रहा था।

उधर से फोन करने वाले ने कहा कि स्टेट बैंक निरसा शाखा के समीप आओ हम लोग चार चक्का से तुमको लेकर चलेंगे। उसके बाद मेरा पुत्र घर से निकलकर घर के सामने स्टेट बैंक के पास गया और वहां से उन लोगों के साथ चला गया। उसके बाद उसको फोन पर फोन करने पर वह बार-बार बोलता रहा कि जल्द ही आ रहा हूं।

रात्रि लगभग 11 बजे मेरे मोबाइल पर फोन आया कि आपके पुत्र का शव सड़क के किनारे पड़ा हुआ है। मेरे पुत्र का ममेरा साला अभिजीत दा बिग बाजार धनबाद से काम कर रात में जब वह अपने घर मैथन लौट रहा था तो शासनबेड़िया के समीप भीड़ देखकर रुका। नजदीक जाकर देखा तो श्यामल सड़क के किनारे मृत पड़ा हुआ है। उसके बाद उसने मृतक के स्वजनों को मामले की जानकारी दी।

इस संबंध में मृतक की मां चंदना का आरोप है कि यदि मेरे पुत्र की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई है, तो फिर उसका फुल पैंट कमर से घुटने के नीचे खुलकर कैसे चला गया। मुझे संदेह है कि जिन लोगों ने मेरे पुत्र को रात्रि में ले गए हैं उन्हीं लोगों ने उसकी हत्या कर दुर्घटना बताने के लिए मेरे पुत्र के शव को सड़क के किनारे फेंक कर फरार हो गए हैं। मेरे पुत्र के मोबाइल का स्क्रीन पूरी तरह टूटा हुआ है। मेरे पुत्र को किसने फोन करके स्टेट बैंक के समीप बुलाया। उसे लेकर कहां गया। वह कौन व्यक्ति है। मेरे पुत्र के मोबाइल के कॉल डिटेल्स निकालने से सारा मामला सामने आ सकता है।

श्यामल रुज अपने घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था। वह डॉन बॉस्को स्कूल में क्लर्क का काम करता था। साथ ही एलआईसी एजेंट का भी काम करता था एवं ट्यूशन पढ़ाकर अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसकी विधवा मां, दो पुत्री एवं पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है।

आरएसएस मना रहा शताब्दी उत्सव, झारखंड में 2,111 स्थानों पर होंगे कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष विजयादशमी के दिन पूरे हो रहे हैं। संघ ने झारखंड सहित देश के सभी मंडलों व बस्तियों में शताब्दी समारोह उत्सव मनाने का निर्णय लिया है।

यह समारोह पूरे नवरात्र एवं इसके दो-तीन दिन बाद तक संघ के स्वयंसेवक स्थानीय सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मनाएंगे। नवरात्र के पहले दिन सोमवार से उत्सव मनना शुरू हो गया। पूरे देश में जहां 90 हजार स्थानों पर वहीं झारखंड में 2,111 और रांची महानगर में 159 स्थानों पर उत्सव मनेगा। सोमवार को झारखंड में कई स्थानों पर समारोह का आयोजन किया गया। सरसंघचालक मोहन भागवत विजयादशमी के दिन नागपुर में आयोजित समारोह में शामिल होंगे और स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे।

इस उत्सव में भाग लेने वाले अधिकतर स्वयंसेवकों ने गणवेश बनवा लिए हैं। उत्साह ऐसा है कि अभी भी आरएसएस के प्रांत कार्यालय से प्रत्येक दिन सैकड़ों स्वयंसेवक गणवेश ले जा रहे हैं। सभी स्थानों पर पथसंचलन निकालने की तैयारी की गई है। समाज के लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

संघ के सभी समवैचारिक संगठनों की ओर से भी तैयारी की जा रही है। इस बार कार्यक्रम में नए के साथ-साथ पुराने स्वयंसेवक भी पूर्ण गणवेश में दिखेंगे। रांची महानगर में 23 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक 159 बस्तियों में शताब्दी समारोह उत्सव मनाया जाएगा। तैयारी पूरी कर ली गई है।आरएसएस ने कार्य की दृष्टि से 10,000 की जनसंख्या पर एक बस्ती का गठन किया है। स्थान और समय को ध्यान में रखते हुए एक दिन में कई स्थानों पर कार्यक्रम होंगे।

25 सितंबर को आरएसएस के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार रांची में रहेंगे। उस दिन सुबह सात बजे गांधी नगर के कुरहुट्ट बस्ती, शाम चार बजे से शिवाजी नगर के हनुमान नगर बस्ती एवं सात बजे से विवेकानंद नगर के अशोक नगर बस्ती में आयोजित समारोह में शामिल होंगे। तीनों स्थानों पर उनका बौद्धिक होगा। दो अक्टूबर विजयादशमी के दिन भी महानगर में कई स्थानों पर कार्यक्रम होंगे।

आरएसएस के शताब्दी समारोह उत्सव की पूर्व संध्या पर रविवार की शाम रांची महानगर के घोषवादकों ने पथसंचलन निकाला। जयपाल सिंह मैदान से निकलकर चडड़ी तालाब होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक, शहीद चौक होते हुए जयपाल सिंह मैदान में समाप्त हो गया।इसमें 100 से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए। रांची महानगर कार्यवाह दीपक पांडेय ने कहा कि जहां भी आयोजन हो, उसमें आप जरूर शामिल हों। रांची में 60 स्थानों पर पथसंचलन भी निकाला जाएगा।

आठ साइबर अपराधियों की 12 करोड़ रु. की संपत्ति जब्त होगी

रांची, एजेंसी। झारखंड के आठ साइबर अपराधियों की 12 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त होगी। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 107(4) के तहत इसकी तैयारी शुरू कर दी है। साइबर थाना देवघर ने इन अपराधियों की संपत्ति का ब्योरा जुटा लिया है। इसे कोर्ट को भी कार्रवाई के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। इनमें सबसे ज्यादा 7.10 करोड़ रुपए की संपत्ति सारठ के सोहेल अंसारी की है। इन अपराधियों के खिलाफ साइबर थाना देवघर और गिरिडीह में साइबर ठगी के केस दर्ज हैं। इसके अलावा कई अपराधियों पर पुणे और दिल्ली के स्पेशल सेल में भी केस दर्ज हैं। बीएनएस की धारा 107(4) के मुताबिक अगर किसी की संपत्ति को अपराध की आय माना जाना है तो कोर्ट या मजिस्ट्रेट उस संपत्ति की कुर्की का आदेश जारी कर सकता है।

साइबर थाना देवघर में इस साल जनवरी से सितंबर तक कुल 131 केस दर्ज हुए और 636 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनसे 787 मोबाइल और साइबर ठगी में इस्तेमाल 1008 सिम कार्ड भी जब्त किए गए। वहीं 2024 में 143 केस दर्ज कर 503 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनसे 788 मोबाइल व 1170 सिम बरामद हुए थे। इससे पहले 2023 में भी 36 केस दर्ज कर 198 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनसे 335 मोबाइल और 520 सिम मिले थे।

सांसद संजय सेठ के नेतृत्व में साइक्लोथॉन से शुरू हुआ सांसद खेल महोत्सव, कमांडर गौरी मिश्रा बनीं आकर्षण का केंद्र

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान से रविवार सुबह सांसद खेल महोत्सव 2025 का रंगारंग आगाज हुआ. हजारों युवाओं और खेल प्रेमियों की भागीदारी के बीच आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत साइक्लोथॉन से हुई. आयोजन का नेतृत्व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद रांची संजय सेठ ने किया.

स्वस्थ भारत का संकल्प : इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ युवा फॉर विकसित भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाना है. उद्घाटन मौके पर संजय सेठ ने कहा कि खेल न केवल शरीर को तंदरुस्त रखते हैं बल्कि समाज को अनुशासन और ऊर्जा से भी भरते हैं. उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि यदि देश को विकसित भारत बनाना है, तो पहले फिटनेस और हेल्थ पर जोर देना होगा.

झंडी दिखाकर दी शुरुआत : सुबह सात बजे मोरहाबादी मैदान में हजारों की भीड़ उमड़ी। माहौल उत्साह और जोश से भरा हुआ था। कार्यक्रम का शुभारंभ संजय सेठ और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर किया। रघुवर दास ने इस मौके पर कहा कि साइक्लोथॉन जैसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने का माध्यम हैं।

कमांडर गौरी मिश्रा बनीं आकर्षण का केंद्र: इस साइक्लोथॉन की सबसे बड़ी विशेषता रही भारतीय नौसेना की रिटायर्ड अधिकारी और अंतराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकीं कमांडर गौरी मिश्रा की मौजूदगी। वह विश्व साइक्लिंग चैंपियनशिप में भारत का नाम रोशन करने वाली पहली महिला अधिकारी रही हैं।गौरी मिश्रा ने कहा कि मेरा सपना है कि हर घर में एक साइकिल हो। यदि बच्चे और युवा रोजाना साइक्लिंग करेंगे, तो फिट इंडिया का सपना जल्द ही साकार होगा।

युवाओं की उमंग और भागीदारी : साइक्लोथॉन में न केवल कॉलेज और स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए, बल्कि विभिन्न खेल संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सड़कों पर जगह-जगह लोगों ने साइक्लिस्टों का उत्साह बढ़ाने के लिए तालियां बजाईं और पानी की व्यवस्था की। प्रतिभागियों का कहना था कि इस तरह के आयोजन से खेल और स्वास्थ्य दोनों को नई दिशा मिलेगी।

राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ा आयोजन : सांसद खेल महोत्सव को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की पहल की गई है। इसके तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों का आयोजन होगा। आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं भी होंगी। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा SansadKhelMahotsavÐin पर उपलब्ध है।

संकल्प से सिद्धि तक : संजय सेठ ने कहा कि यह महोत्सव सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। उन्होंने कहा, स्वस्थ भारत के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है। यह महोत्सव हर नागरिक को यह संदेश देता है कि फिटनेस सिर्फ व्यक्तिगत नहीं बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।

प्रेरणा का स्रोत : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि खेल से बेहतर कोई साधन नहीं है, जो युवाओं को एकजुट कर सके और उन्हें जीवन में सकारात्मक ऊर्जा दे सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि सांसद खेल महोत्सव आने वाले वर्षों में और बड़े स्तर पर आयोजित होगा और यह झारखंड की पहचान बनेगा। रविवार की सुबह मोरहाबादी मैदान से शुरू हुआ यह आयोजन रांची के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ गया। हजारों की संख्या में युवाओं की भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि झारखंड खेलों और फिटनेस के मामले में किसी से पीछे नहीं। साइक्लोथॉन के साथ सांसद खेल महोत्सव का आगाज फिट इंडिया और डेवलप्ड इंडिया की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हुआ है।

अपने घर को खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है इनडोर प्लांटिंग

आज के समय में अधिकतर लोग प्लांटिंग करना काफी पसंद करते हैं। भले ही स्पेस कम हो, लेकिन फिर भी वे इनडोर प्लांटिंग करते हैं। यह अपने घर को बेहद ही खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपने घर के अंदर प्लांट्स लगाएं और वे कुछ ही दिनों में मुरझा जाएं या फिर उनकी ग्रोथ ही ना हो, तो यकीनन आपको काफी निराशा होगी। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते समय हम उतना ध्यान नहीं देते हैं। पौधे के पोषक तत्व मिट्टी से ही मिलती है। अमूमन इनडोर प्लांटिंग के लिए हमें पॉटिंग मिक्स भी तैयार करना होता है। चूंकि आपके आसपास कई तरह की मिट्टी होती है तो आपको पहले अपने पौधे और उसकी जरूरतों को समझना होता है और फिर उसी के अनुसार मिट्टी का चयन करना होता है।

पॉटिंग मिक्स का करें चयन

इनडोर प्लांटिंग के लिए पॉटिंग मिक्स सबसे अच्छे माने जाते हैं। इनमें काई, वर्मीक्यूलाइट और पेर्लाइट आदि का एक सही मिश्रण होता है। ऐसे में जब इनका इस्तेमाल इनडोर प्लांट्स के लिए किया जाता है तो उसे सभी आवश्यक पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इतना ही नहीं, इनका ड्रेनेज सिस्टम भी काफी अच्छा होता है। जिसके कारण प्लांट्स में रूट रॉट या ओवरवाटरिंग की समस्या नहीं होती है।

पोषक तत्वों पर दें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि उस मिट्टी या पॉटिंग मिक्स में पर्याप्त पोषक तत्व हों। चूंकि इनडोर प्लांट्स बाहरी पौधों की तरह प्राकृतिक वातावरण से पोषक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं और इसलिए वे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों पर निर्भर होते हैं।

चेक करें पीएच लेवल

मिट्टी के पीएच लेवल का सीधा असर प्लांट की ग्रोथ पर पड़ता है। हर प्लांट की जरूरतें अलग होती हैं। हालांकि, अधिकतर इनडोर प्लांट्स थोड़ा सा एसिडिक से न्यूट्रल पीएच रेंज पसंद करते हैं। इसलिए, जब भी आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनें, तो यह देखें कि वह आपके प्लांट्स की जरूरतों को पूरा करता हो।

कंटेनर साइज का भी रखें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांटिंग के लिए मिट्टी को चुन रहे हैं तो आपको कंटेनर के साइज का भी ख्याल रखना चाहिए। मसलन, प्लांटिंग के लिए पॉट साइज छोटा है तो आपको लाइट मिक्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे ओवर वाटरिंग की समस्या ना हो। वहीं अगर पॉट साइज बड़ा है तो ऐसे में आपको ऐसी मिट्टी चुननी चाहिए, जिसमें एयरेशन या ड्रेनेज को लेकर समस्या ना हो।

स्टेरलाइज मिक्स का करें इस्तेमाल

कुछ इनडोर प्लांट्स कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक संसेटिव होते हैं। ऐसे में आपको उनके लिए स्टेरलाइज पॉटिंग मिक्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे पौधों में रोगजनकों के प्रवेश के जोखिम को कम करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है।

गार्डन की मिट्टी ना करें इस्तेमाल

जब भी आप इनडोर प्लांटिंग कर रहे हैं तो आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आप गार्डन की मिट्टी का इस्तेमाल ना करें। गार्डन की मिट्टी थोड़ी अलग होती है और यह कॉम्पैक्ट हो सकती है। जिससे मिट्टी में एयरेशन और ड्रेनेज की समस्या हो सकती है। इससे पौधा मर भी सकता है।

कहीं आप भी तो नहीं हैं लो कॉन्फिडेंस की शिकार?

कॉन्फिडेंस कम होने के कारण जीवन के हर पड़ाव पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि अपनी कमजोरी को दूर कर आप अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने पर फोकस करें।

आत्मविश्वास जीवन में सफलता की कुंजी है। हालांकि कई बार परिस्थितियां व्यक्ति को आत्मविश्वास में कमी का शिकार बना देती हैं। धीरे-धीरे व्यक्ति पूरी तरह से अपना आत्मविश्वास खो देता है। कई बार व्यक्ति को खुद यह अंदाजा नहीं होता है कि उसमें असल में आत्मविश्वास की कमी है। कुछ संकेतों से यह समझा जा सकता है कि किसी में आत्मविश्वास की कमी तो नहीं। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखकर आत्मविश्वास को वापस भी पाया जा सकता है। तो चलिए इसी के साथ आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं आत्मविश्वास बढ़ाने के आसान तरीके।

आत्मविश्वास में कमी के ये हैं लक्षण?

अगर आप निर्णय लेने में घबराते हैं, हमेशा दूसरों से नकारात्मक रूप में अपनी तुलना करते हैं, किसी से मदद लेने में संकोच करते हैं, अपने बारे में नकारात्मक बातें बोलते हैं और विफलता का डर आपको घेरे रहता है, तो आपमें आत्मविश्वास की कमी है। अगर खुद में ऐसी आदतें पनपती नजर आएं तो सतर्क हो जाएं और ऐसे कदम उठाएं जिनसे आपका आत्मविश्वास लौट आए। अपनी तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाना, भविष्य को लेकर शंका में घिरे रहना और हमेशा लोगों को खुश करने की कोशिश में लगे रहना भी इसी का लक्षण है।

खुद को जानें

आत्मविश्वास की ओर बढ़ने की पहली सीढ़ी है खुद को समझना। अपने बारे में आने वाले नकारात्मक विचारों को मन से हटाइए और सकारात्मक बातें सोचिए। अगर कोई बात पसंद न आए तो सामने वाले को न कहना सीखिए। दूसरों से अपनी तुलना बंद कीजिए और कुछ ऐसा कीजिए जो आपको पसंद हो। हमेशा दूसरों की पसंद खुद पर हावी मत होने दीजिए।

अच्छी बातों का जश्न मनाइए

कभी-कभी हम अपने बारे में इतने नकारात्मक हो जाते हैं कि अच्छी बातों पर भी खुशी नहीं मना पाते हैं। ऐसा मत कीजिए। अगर कुछ अच्छा हो तो उसका जश्न मनाइए। अगर आपने कुछ अच्छा किया है और कोई आपकी तारीफ कर रहा है, तो उसे स्वीकारिए। अपने बारे में उन बातों की सूची बनाइए, जो आपको पसंद हैं। अगर आप लोगों के मुंह से बुराइयां सुनकर दिल से लगा लेते हैं, तो अच्छाइयों को भी स्वीकारना सीखिए।

भरोसेमंद लोगों का नेटवर्क बनाइए

जीवन में कुछ ऐसे लोगों का साथ जरूरी है, जिनके साथ आपको अच्छा अनुभव होता हो। मन में कोई बात हो तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा कीजिए। अपना कोई दुख ऐसे व्यक्ति से ही साझा कीजिए, जिस पर भरोसा हो। उन लोगों से बात कीजिए, जिनसे बात करके सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

खुद को चुनौती दीजिए

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि खुद को चुनौतियां दीजिए और फिर उन चुनौतियों को पूरा करने के बाद खुद को पुरस्कृत कीजिए। जब हम कोई चुनौती पूरी करते हैं, तो हमारा मन अपनी क्षमता को स्वीकारने के लिए प्रेरित होता है। एक बात ध्यान रहे, शुरुआत में अपने समक्ष छोटे-छोटे लक्ष्य रखिए। इससे लक्ष्य को पाना आसान होता है और एक के बाद एक लक्ष्य पाते रहने से आत्मविश्वास भी बढ़ता जाता है।

अपना ध्यान रखिए

हम किसी से भी मिलते हैं तो उसे अपना ध्यान रखने की हिदायत जरूर देते हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि हम खुद को कभी अपना ध्यान रखने के लिए नहीं कह पाते हैं। यह सही नहीं है। अपना ध्यान रखना सीखिए। शारीरिक या मानसिक किसी भी प्रकार की परेशानी लगे, तो उसकी अनदेखी मत कीजिए। जरूरत हो तो डॉक्टर से संपर्क कीजिए। खुद पर आपका भरोसा ही आपको आत्मविश्वास से भरपूर बनाएगा।

बचपन में ही सिखाएं बच्चे को सोशल स्किल्स

बच्चों को बचपन में काफी सारी बातें सिखाई जाती है। फिर चाहें वो खुद खाना खाने की बात हो या फिर उन्हें किसी बात को लेकर समझाने की। बच्चों को एक बार जो सिखा दिया जाता है, उसके बाद उन चीजों में बदवलाव करना मुश्किल होता है, क्योंकि बच्चे इश बात को समझने के लिए तैयार नहीं होते की जो पहले सिखाया वो सही है या जो बाद में उसे सिखाया जा रहा है वह सही है। ऐसे में अगर आप बच्चे के साथ स्ट्रॉन्ग रिलेशन शेयर करना चाहते हैं तो आपको बचपन में ही बच्चे को सोशल स्किल्स सिखाने की जरूरत है। जानें 5 जरूरी स्किल्स, जो हर किसी को अपने बच्चे को कम उम्र में ही सिखाना चाहिए।

चीजें बाटना (शेयर करना)

बचपन से सिखाना चाहिए कि 'शेयरिंग इज केयरिंग' यानि दूसरों के साथ बाटना देखभाल करने जैसा है। अपने बच्चों को शेयर करने के महत्व को बताने से स्ट्रॉन्ग रिलेशन बनाने में मदद मिल सकती है। शेयर करना बच्चों को समझौता और निष्पक्षता सिखाता है। इससे उन्हें यह सीखने में मदद मिलती है कि अगर वे दूसरों को थोड़ा देते हैं, तो बदले में उन्हें भी कुछ मिल सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे केवल तभी शेयर करने की इच्छा दिखाते हैं जब उनके पास बहुत ज्यादा मात्रा में चीजें हों, तीन से छह साल की उम्र के बीच, वे थोड़े स्वार्थी होते हैं। सात या आठ साल की उम्र तक, बच्चे निष्पक्षता के बारे में अधिक परेशान हो जाते हैं और दूसरों के साथ शेयर करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

सुनना

सुनना एक और सोशल स्किल है, जिसमें ज्यादातर लोगों की कमी होती है, जिसमें बड़े भी शामिल हैं। सुनने का अर्थ यह नहीं है कि जब दूसरा बोल रहा हो तो चुप रहना, बल्कि समझना कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। जैसे बातचीत में बात करना और अपनी बात सामने रखना जरूरी है, वैसे ही सुनना भी जरूरी है। यह बच्चों को अकेडमिक्स में भी मदद करता है।

को-ऑपरेटिंग

सहयोग का मतलब आम तौर पर एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ अच्छे ढंग से काम करना होता है। स्किल्स में महारत हासिल करने से दूसरे व्यक्ति और समुदाय के साथ जुड़ने में मदद मिलती है। एक-दूसरे का सहयोग करने से बच्चों को दूसरों से सम्मान भी मिलता है। किसी भी लक्ष्य को आधा पूरा करने से उन्हें दूसरे लोगों की भावनाओं और विचारों को स्वीकार करना सीखने में मदद मिलेगी।

पर्सनल स्पेस की रिस्पेक्ट

हर रिश्ते की शारीरिक और भावनात्मक सीमाएं होती हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग होता है, और हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। कई बार मिलनसार होते हुए भी ज्यादातर लोग हदें पार कर जाते हैं। मिलनसार होना और दूसरों के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना दो अलग-अलग चीजें हैं और दोनों के बारे में पता होना चाहिए। अपने बच्चे को सिखाएं कि कैसे परमिशन मांगें और बाउंडरी की पहचान करें।

मैनर्स

अच्छे मैनर्स सिखाना भी सोशल स्किल्स का एक हिस्सा है। थैंक यू, सॉरी का सही इस्तेमाल और टेबल तरीके का इस्तेमाल करने का एक अच्छा तरीका आपकी काफी मदद कर सकता है। ये स्किल स्कूल में पढ़ाए जाते हैं, लेकिन आपको भी इसकी प्रेक्टिस बच्चों से करवाते रहना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ऐसे ऐसे पहचानें फेक प्रोफाइल

सोशल मीडिया पर अक्सर अनजान प्रोफाइल से फ्रेंड, फॉलो और मैसेज रिक्वेस्ट आती रहती हैं। कई बार अनजान द्वारा भेजी गई रिक्वेस्ट भी हम स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन सावधान! यहां ऐसी कई प्रोफाइल हैं जो असली नहीं हैं। ये वो अकाउंट्स हैं जिन्हें धोखाधड़ी के लिए ही बनाया गया है। ठग फेक आईडी बनाकर लोगों से जुड़ते हैं, उनकी गतिविधियों पर नज़र रखकर अपना शिकार बनाते हैं। ऐसे में कौन-सी प्रोफाइल असली हैं और कौन-सी नहीं, यह जानकारी आवश्यक बन जाती है।

क्या करते हैं ठग?

पहले ठग फेक प्रोफाइल से रिक्वेस्ट भेजते हैं, स्वीकार होने पर व्यक्ति की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए जानकानी चुराते हैं। मैसेज के ज़रिए ठगने की कोशिश कर सकते हैं। आईडी हैक कर सकते हैं या बैंक खाता ख़ाली कर सकते हैं।

ऐसे पहचानें...

- फेक अकाउंट में तस्वीर किसी अन्य व्यक्ति की होती है, लेकिन व्यक्ति की जानकारी नहीं होती। कुछ मामलों में जानकारी और विवरण किसी और का हो सकता है। ये बड़ी संख्या में फॉलो करेंगे, लेकिन इनके फॉलोअर्स कम या शून्य होंगे। पोस्ट भी शून्य रहेगी। ऐसा भी हो सकता है कि प्रोफाइल पिक्चर भी न हो।
- गूगल इमेज सर्च टूल से प्रोफाइल पर लगी तस्वीर को स्कैन करें। अगर प्रोफाइल फोटो नक़ली होगी तो इसके ज़रिए पता चल जाएगा कि तस्वीर कहां से ली गई है।
- मैसेज पर बातचीत के दौरान व्यक्ति लालच दे सकता है, जैसे क्या आप घर बैठे पैसे कमाना चाहते हैं? वह कोई लिंक भी भेज सकता है। ऐसे में सावधान हो जाएं।
- बातचीत के दौरान व्यक्ति कुछ असामान्य बातें कर सकता है, जैसे कि आप मुझे बहुत पसंद हैं, क्या आप मुझसे कल मिल सकते/सकती हो? वो किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर भेजकर भी आपको अपनी तस्वीर भेजने का आग्रह कर सकता है।

बचाव जरूरी है

ऐसी फेक प्रोफाइल को फ्रेंड और फॉलोअर्स की सूची से हटा दें। सूची से हटाने के बाद प्रोफाइल की रिपोर्ट करके ब्लॉक कर दें। बात करते वक़्त कोई भी जानकारी साझा न करें।

कृषि इनपुट व डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती किसानों के लिए दिवाली गिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी 2.0 के हत किए गए सुधार नवरात्र के पहले दिन ानी 22 सितंबर से लागू हो गए हैं। इन दलावों से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र ो भी बड़ा लाभ मिलने का अनुमान है। न क्षेत्रों ने जीएसटी कानून के ढांचे में िए गए बदलावों को जमकर सराहा है। डस्ट्री से जुड़े लोगों ने प्रमुख कृषि इनपुट ौर डेयरी उत्पादों पर जीएसटी दरों को म करने के सरकार के फैसले का ्रागत किया है और इसे बढ़ती इनपुट ागत व मौसम की अनिश्चितताओं से ूझ रहे किसानों के लिए बड़ी राहत कहा ।

उद्योग जगत के अनुसार जीएसटी रिषद की ओर से उर्वरकों, जैव ीटनाशकों, कृषि उपकरणों और डेयरी त्पादों पर दरों में कटौती के कदम से िसानों की आय में तो वृद्धि होगी ही सके साथ-साथ उपभोक्ताओं को भी ौष्टिक भोजन अधिक किफायती दर पर पलब्ध हो सकेगा।

गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के सीईओ ौर एमडी सुनील कटारिया के अनुसार र्वरकों और जैव कीटनाशकों पर ीएसटी में कमी से किसानों को ऐसे मय में बड़ी राहत मिलेगी, जब कृषि ़सलों पर अनियमित मौसम के कारण तिकूल प्रभाव पड़ा है। कटारिया ने एक यान में कहा, औसत इनपुट लागत कुल ेती खर्च का लगभग 30-40 प्रतिशत , इन लागतों को कम करने से ुणवत्तापूर्ण फसल सुरक्षा समाधानों की हुंच बढ़ेगी, जिससे किसानों को उपज ढ़ाने और आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कटारिया ने कहा कि डेयरी उत्पादों पर ीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत करने के निर्णय से किसानों के सामर्थ्य और खपत में सुधार होगा। इससे देश में प्रोटीन की कमी दूर होगी और साथ ही डेयरी किसान परिवारों को सहायता मिलेगी।

सीएनएच इंडिया के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक नरिंदर मित्तल ने कृषि उपकरणों, कलपुर्जों और टायरों पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने की सराहना करते हुए कहा कि इससे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य उपकरण अधिक किफायती होंगे। मित्तल ने कहा, ये सुधार उद्योग जगत को श्रम की कमी को दूर करने, किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम आगे स्थानीयकरण और नवाचार के लिए सही वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह सुधार विशेष रूप से कटाई के मौसम से पहले समय पर किया गया है। कम लागत से अधिक किसान गठरी बनाने जैसे समाधान अपना सकेंगे।

डेयरी पर जीएसटी कटौती से आठ करोड़ किसानों को लाभ

कम्पाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएलएफएमए) के अध्यक्ष दिव्य कुमार गुलाटी ने डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती को एक प्रगतिशील कदम बताया। उनका मानना है कि इससे भारत के आठ करोड़ डेयरी किसानों को लाभ होगा। यूएचटी दूध को कर-मुक्त कर दिए जाने और कंडेंस्ड दूध, मक्खन, घी, पनीर और चीज जैसे उत्पादों पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिए जाने से, इन सुधारों से ग्रामीण आय में वृद्धि होने और चारा और पशु देखभाल में अधिक निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

जीएसटी दर में कटौती से 19 लाख करोड़ रुपये के डेयरी उद्योग में बढ़ेगी मांग

सरकार के अनुसार अधिकांश डेयरी उत्पादों को या तो कर मुक्त रखने या केवल पांच प्रतिशत कर लगाने के फैसले से 19 लाख करोड़ रुपये के डेयरी उद्योग में मांग बढ़ेगी। 56वीं जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर को हुई अपनी बैठक में दूध और दूध उत्पादों पर करों में व्यापक कटौती को मंजूरी दी थी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा गया, जीएसटी के ढांचे में सुधार इस क्षेत्र में जीएसटी दरों में सबसे व्यापक सुधारों में से एक हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अधिकांश डेयरी उत्पाद अब या तो कर से मुक्त होंगे या उन पर केवल 5 प्रतिशत की दर लागू होगी।

22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित ढांचे के तहत, अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर (यूएचटी) दूध पर जीएसटी दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दी गई है। पनीर/छेना (पूर्व-पैकेज्ड और लेबलयुक्त) पर जीएसटी 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। मक्खन, घी, डेयरी उत्पाद, पनीर, गाढ़ा दूध, दूध आधारित पेय पदार्थों पर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

आइसक्रीम पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया

बयान में कहा गया है कि आइसक्रीम पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो जाएगा। दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की जगह अब 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मंत्रालय ने कहा, इस महत्वपूर्ण कर-तर्कसंगतीकरण से डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा मिलने तथा किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

जीएसटी में कटौती से ज्वेलर्स को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में कर व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए। हानिकारक वस्तुओं को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर में लाया गया है। साथ ही कई आवश्यक वस्तुओं पर कर को शून्य करने का निर्णय लिया गया है। ये बदलाव 22 सितंबर यानी नवरात्र के पहले दिन से लागू हो गए हैं। इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि क्या इन बदलावों का सोने-चांदी के दामों पर असर पड़ेगा।

सोने-चांदी की कीमतों पर कोई असर नहीं

बता दें कि सोना और चांदी पर लगने वाला जीएसटी अब भी तीन प्रतिशत पर बरकरार है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी के नए दो स्लैब ढांचे का असर इन कीमती धातुओं पर नहीं पड़ेगा। इन्हें अलग श्रेणी में रखा जाता है, जिन पर पहले से ही तीन प्रतिशत की विशेष दर लागू है।

हीरा एवं आभूषण क्षेत्र को राहत की संभावना

हालांकि रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद का कहना है कि जीएसटी सुधारों से हीरा व आभूषण क्षेत्र को काफी राहत मिली है। बयान में कहा गया है कि सरकार ने डायमंड इम्प्रेस्ट ऑथराइजेशन स्कीम (डीआईएएस) के तहत 25 सेंट तक के प्राकृतिक कटे और पॉलिश किए गए हीरों के आयात को आईजीएसटी से छूट देने के फैसला किया है। इस पर पहले 18 प्रतिशत आईजीएसटी लागू था। इस कदम से कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और छोटे हीरा प्रसंस्करण में लगे निर्माताओं और निर्यातकों को मदद मिलेगी।

घरेलू मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

जीजेईपीसी के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने कहा कि इन उपायों से घरेलू मांग को बढ़ावा मिलेगा और हमारी निर्यात आपूर्ति श्रृंखला को सहारा मिलेगा। यह वैश्विक चुनौतियों के कारण दबाव में है। उन्होंने कहा कि हीरा एवं आभूषण क्षेत्र यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ज्वेलरी बक्सों की कम लागत सहित लाभ पारदर्शी तरीके से भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए। इससे विश्वास मजबूत हो और उद्योग की दीर्घकालिक वृद्धि को समर्थन मिले। ये सुधार, हस्तशिल्प, चमड़े के सामान और पैकेजिंग जैसे संबद्ध क्षेत्रों में जीएसटी कटौती के साथ मिलकर भारत के हीरे और आभूषण पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करेंगे। परिचालन लागत को कम करके, सामर्थ्य को बढ़ाकर, व वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, वे हीरा प्रसंस्करण, आभूषण डिजाइन और निर्यात के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं।

आभूषण बक्सों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत किया गया

इसके अलावा, ज्वेलरी बक्सों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों के लिए लागत कम हो जाएगी। वहीं पैकेजिंग और उपहार देना उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती हो जाएगा। इससे व्यवसाय और खरीदार दोनों को लाभ होगा।

जहाज कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी, 62 मिलियन डॉलर के मिले हैं ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर सोमवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 2761.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। दो बड़े डिवेलपमेंट की वजह से जहाज बनाने वाली कंपनी के शेयरों में यह तेजी आई है। इस साल अब तक गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में 65 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में कंपनी

के शेयर 60 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने 62 मिलियन डॉलर के एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। जहाज कंपनी ने यह एग्रीमेंट जर्मनी की कार्स्टन रेहडर शिफ्समैकलर और रीडेरेई जीएमबीएच एंड कंपनी के साथ 4 हाइब्रिड मल्टी-पर्पज वेसेल्स के कंस्ट्रक्शन के लिए किया है। एग्रीमेंट में 2 एडिशनल वेसेल्स बनाने का भी प्रावधान है। जहाज कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि इस कॉन्ट्रैक्ट को 33 से 42 महीने में पूरा किया जाना है।

1 साल में 5671 प्रतिशत चढ़ा डिफेंस स्टॉक, शेयरों पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंस स्टॉक स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज के शेयरों में सोमवार के दिन अपर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में यह स्टॉक 606.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। यह कंपनी का रिकॉर्ड हाई है। कंपनी के शेयरों में इस उछाल के पीछे की वजह एक एमओयू है।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि गुजरात मैरीटाइम बोर्ड के साथ एक एमओयू साइन किया गया है। जिसके तहत 4250 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट आएगा। इस खबर की वजह से निवेशकों में आज कंपनी के शेयरों को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बता दें, यह साझेदारी गुजरात के पीपावाव पोर्ट में शिपयार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करेगा।

स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज वेसल्स, रिपेयर और शिप को रिफिट करने का काम करती है। स्वान डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक महीने के दौरान 55 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 3 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 206 प्रतिशत बढ़ा है। जिसकी वजह से निवेशकों का पैसा डबल हो चुका है। वहीं, 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 601 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स 7.17 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है।

हिकल कंपनी के मालिकाना हक को लेकर भाई-बहन के बीच खिंची तलवारें!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत फोर्ज के चेयरमैन और एमडी बाबा कल्याणी और उनकी बहन व हिकल की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुगंधा हिरेमठ के बीच कंपनी के मालिकाना हक को लेकर विवाद बढ़ गया है। बाबा के बेटे अमित कल्याणी , हिकल में नॉन-एग्जीक्यूटिव और नॉन-इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के तौर पर फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। अमित कल्याणी की दोबारा नियुक्ति के लिए एक साधारण प्रस्ताव रखा गया है। इसके लिए जरूरी है कि उनके पक्ष में ज्यादा वोट पड़ें। 50 साल के अमित पिछले 13 सालों से हिकल के बोर्ड में हैं।

आज खत्म होगी ई-वोटिंग- सुगंधा और उनके परिवार के पास हिकल की लगभग 35 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उम्मीद है कि वे अपने भतीजे अमित की दोबारा नियुक्ति के खिलाफ वोट करेंगे। दिसंबर 2023 में, बाबा कल्याणी बोर्ड से बाहर हो गए थे। उन्हें शेयरधारकों के जरूरी वोट नहीं मिल पाए थे। इस तरह हिकल में उनका 31 साल का कार्यकाल खत्म हो गया था। सुगंधा और उनके परिवार ने उस समय बाबा कल्याणी की दोबारा नियुक्ति के खिलाफ वोट किया था। अमित की दोबारा नियुक्ति पर रिमोट ई-वोटिंग सोमवार को खत्म हो जाएगी। एजीएम ई-वोटिंग के बाद मंगलवार को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

किसके पास कितनी हिस्सेदारी- बाबा कल्याणी और उनके परिवार के पास हिकल की 34 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उम्मीद है कि वे अपने बेटे की दोबारा नियुक्ति का समर्थन करेंगे। बाकी 31 प्रतिशत हिस्सेदारी नॉन-प्रमोटर्स के पास है। यह देखना

दिलचस्प होगा कि अमित की डायरेक्टरी पर संस्थागत और रिटेल निवेशक क्या रुख अपनाते हैं। सितंबर 2024 में, सुगंधा की बोर्ड में दोबारा नियुक्ति को संस्थागत और रिटेल शेयरधारकों का समर्थन मिला था। हालांकि, बाबा कल्याणी और उनके परिवार ने इसके खिलाफ वोट किया था।

शेयरधारक सलाहकार फर्मों ने अमित की दोबारा नियुक्ति पर अलग-अलग राय दी है। एसईएस ने उनकी दोबारा नियुक्ति के पक्ष में वोट करने की सिफारिश की है, जबकि आईआईएएस ने इसके खिलाफ सलाह दी है। आईआईएएस ने कहा, प्रतिशतहमने देखा है कि प्रमोटर (हिरेमठ और कल्याणी गुट) हिकल के मालिकाना हक को लेकर विवाद में शामिल हैं। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे अपने बोर्ड पद छोड़ दें, मालिकाना हक के विवाद को सुलझाएं और फिर बोर्ड में दोबारा नियुक्ति की मांग करें।

जुलाई में दिया था इस्तीफा

जुलाई में, अमित ने अन्य पेशेवर प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए शेफलर इंडिया के बोर्ड से स्वतंत्र निदेशक के रूप में इस्तीफा दे दिया था। हिकल के अलावा, अमित भारत फोर्ज, कल्याणी स्टील्स और तीन अन्य कंपनियों के बोर्ड में भी हैं। एसईएस ने कहा, प्रतिशतअब तक, हम अमित की अत्यधिक समय प्रतिबद्धताओं के बारे में चिंता जताते रहे हैं... लेकिन अब उनके पास छह लिस्टेड डायरेक्टरी पद हैं। हालांकि ये छह पद बहुत ज्यादा लग सकते हैं, लेकिन चूंकि ये सभी एक ही प्रमोटर समूह के भीतर हैं, इसलिए हमें समय प्रतिबद्धताओं के बारे में कोई बड़ी चिंता नहीं है। प्रतिशत एसईएस का मानना है कि चूंकि अमित सभी कंपनियों में एक ही परिवार के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए उनके लिए समय निकालना मुश्किल नहीं होगा।

जानें पूरा मामला

हिकल की स्थापना सुगंधा के पति जयदेव हिरेमठ ने की थी। उन्हें महाराष्ट्र में एक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए सुगंधा और बाबा के पिता से शुरुआती पूंजी मिली थी। इसके बदले में, हिकल के शेयर सूरजमुखी को जारी किए गए थे। सूरजमुखी उनके पिता के स्वामित्व वाली एक इकाई थी।

आपको करोड़ों रुपये मिले हैं उपहार में तो भी नहीं लगेगा कोई टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई की अर्चना ने जब 98.70 लाख रुपये की आय घोषित करते हुए 2018-19 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किया तो उन्हें कर नोटिस जारी किया गया। इस नोटिस का कारण यह था कि मूल्यांकन कार्यवाही के दौरान आयकर निर्धारण अधिकारी (एओ) ने पाया कि अर्चना ने अपने खाते में 89 लाख की नई नहीं थे। इसलिए 89 लाख रुपये पर टैक्स चुकाने का आदेश दिया गया। टैक्स विभाग के इस फैसले के खिलाफ अर्चना ने अपील आयुक्त के समक्ष अपील दायर की। 27 जनवरी, 2025 को वह मुकदमा हार गईं। इसके बाद उन्होंने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) मुंबई में अपील दायर की, जहां 25 अगस्त को मुकदमा जीत लिया।

नकदी जमा की थी। अर्चना ने बताया, यह नकदी उनके करीबी रिश्तेदारों ने तोहफे में दिया। वह आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 56(2)(7) के तहत रिश्तेदार की परिभाषा पूरी करती हैं। अर्चना ने कहा, उन्हें धनराशि देने वाले रिश्तेदारों की विस्तृत सूची उनके पैन नंबर सहित दी गई है। हालांकि, आयकर विभाग संतुष्ट नहीं हुआ।

आयकर विभाग ने दिया टैक्स भरने का नोटिस- कर अधिकारी ने अर्चना के दिए गए साक्ष्यों का विश्लेषण किया। यह उपहार देने वालों की साख पर संदेह करने पर केंद्रित था। उनका कहना था कि गिफ्ट देने वालों की घोषित आय बहुत कम थी। उन्होंने उपहार के लिए तीसरे पक्ष से रकम ली थी। ऐसे में उपहार वास्तविक

आईटीएटी ने कहा, पारदर्शी है रकम का सोर्स- आईटीएटी मुंबई ने बताया, अर्चना के साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट है कि धारा 68 के तहत सभी मूलभूत शर्तें, मतलब ऋणदाता की पहचान, साख और लेनदेन की वास्तविकता पूरी होती हैं। रकम का सोर्स पारदर्शी है। दानकर्ताओं के बैंक में जमा राशि को तुरंत अर्चना को उपहार के रूप में ट्रांसफर कर दिया गया। इस साक्ष्य और बैंक खाते के विवरण के संबंध में विपरीत निष्कर्ष की गुंजाइश नहीं है। अर्चना ने बताया पूंजी का एक बड़ा हिस्सा कुछ करीबी रिश्तेदारों से मिले उपहारों का था। ये रिश्तेदार आयकर कानून की धारा 56(2)(7) के तहत रिश्तेदारों की परिभाषा में आते हैं।

जीएसटी हुआ कम अब महंगाई का निकलेगा दम

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में हुई कटौती का असर अब बाजार में दिखना शुरू हो गया है। कई कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम घटा दिए हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर कंपनियां पूरी तरह से ग्राहकों तक फायदा पहुंचाएंगीं, तो अगले एक साल में महंगाई लगभग एक प्रतिशत तक कम हो सकती है। यानी महंगाई का दम निकलने की पूरी संभावना है।

यहां ज्यादा फायदा- विशेषज्ञों का मानना है कि कपड़े-जूते तथा चप्पल, गाड़ियां, दवाइयां, प्रोसेस्ड फूड, रोजमर्रा का सामान, टू-व्हीलर और सीमेंट जैसे सेक्टरों में दाम घटने की संभावना सबसे ज्यादा है। ऑटो कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, टीवीएस, महिंद्रा,

टाटा मोटर्स और हीरो मोटोकॉर्प पहले ही गाड़ियों के दाम कम करने का ऐलान कर चुकी हैं। वहीं, अमूल, मदर डेयरी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी जैसी कंपनियां भी दूध, साबुन, शैंपू और कुछ खाने-पीने की चीजें सस्ती करने की घोषणा कर चुकी हैं।

हालांकि, अलग-अलग उपभोक्ता समूहों पर इसका असर उनकी खपत की आदतों पर निर्भर करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, कपड़े-फुटवियर और परिवहन-टेलीकॉम सेक्टर में सबसे ज्यादा राहत मिल सकती है। कपड़ों और जूतों पर औसतन कर 6.2 प्रतिशत तक आ जाएगा और गाड़ियों समेत ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर यह 8.8 प्रतिशत तक होगा।

आईफोन 17 से असली कमाई तो बैंक करेंगे... 450 करोड़ रुपये आएंगे खजाने में

नई दिल्ली, एजेंसी। एप्पल कंपनी का आईफोन 17 बिक्री के लिए मार्केट में आ चुका है। इसे लेकर लोगों में काफी दीवानगी देखी जा रही है। लगभग हर शख्स इस फोन को खरीदने के लिए उतावला दिखाई दे रहा है। अन्य गैजेट्स की तरह इसे भी ईएमआई पर आसानी से खरीदा जा सकता है। इस फोन को बेचकर न केवल एप्पल कंपनी, बल्कि बैंक भी खूब कमाई करेंगे। बैंक इस फोन को सीधे नहीं बेचेंगे, बल्कि उनकी कमाई ईएमआई से मिलने वाले ब्याज से होगी। इसे लेकर एक सीए ने पूरा गणित समझाया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) नितिन कौशिक का कहना है कि आईफोन तो एप्पल

बेच रहा है, लेकिन असली कमाई तो भारतीय बैंक कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में अपनी बात पूरी कैलकुलेशन के जरिए समझाई है। अपनी पोस्ट में उन्होंने बताया कि भारत में लोग महंगे स्मार्टफोन क्यों खरीदते हैं। उन्होंने लिखा है कि भारत में आईफोन 17 एप्पल के लिए सोने की खान नहीं है... यह बैंक हैं। इसका मतलब है कि एप्पल से ज्यादा फायदा तो बैंकों को हो रहा है। उन्होंने इसे कड़वा सच बताया है।

कैसे अमीर हो रहे बैंक?- नितिन कौशिक के अनुसार, आईफोन 17 की कीमत 82,900 रुपये है। भारत में लगभग 10 लाख लोग इसे खरीद सकते हैं। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत यानी 7 लाख ग्राहक इस फोन को ईएमआई पर खरीदेंगे। कौशिक ने हिसाब लगाया कि अगर कोई 12 महीने की ईएमआई पर 14 प्रतिशत ब्याज देता है, तो उसे हर महीने 7443 रुपये देने होंगे। इस तरह वह 6420 रुपये ब्याज के रूप में ज्यादा देगा। ऐसे 7 लाख ग्राहकों से भारतीय बैंकों को सिर्फ ब्याज से करीब 450 करोड़ की कमाई होगी।

हिडन कॉस्ट और महंगा कर देती है फोन

नितिन कौशिक ने ईएमआई के दौरान लगने वाली हिडन कॉस्ट के बारे में भी बताया है। यह वह चार्ज होता है जो ईएमआई की ब्याज से अलग देना होता है। उन्होंने बताया कि प्रोसेसिंग फीस 0.5 से 2 फीसदी तक हो सकती है। वहीं अगर ईएमआई चुकाने में देरी हो जाए तो लेट पेमेंट के तौर पर करीब 36 फीसदी सालाना जुर्माना लगता है। ऐसे में ईएमआई से फोन खरीदना एक साल में करीब 7 फीसदी महंगा बना देता है।

फीके पड़ गए शाहीन अफरीदी

उन्हें ब्रेक की जरूरत है: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाज शाहीन अफरीदी विकेट को तरसते नजर आए। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया की सलाह है कि शाहीन अफरीदी को तरोताजा होने के लिए क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। इस तेज गेंदबाज ने रविवार को भारत के खिलाफ 3.5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 40 रन लुटाए, लेकिन एक भी बल्लेबाज को अपना शिकार नहीं बना सके।

कनेरिया के मुताबिक इस तेज गेंदबाज को तीनों फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहिए। उन्हें अपनी गेंदबाजी पर फोकस करने के लिए एक या दो फॉर्मेट से बाहर रहना चाहिए। कनेरिया ने सोमवार को कहा, उम्र एक बात है, लेकिन पीसीबी उन्हें तीनों फॉर्मेट में नहीं खिला सकता। उन्हें तय करना होगा कि वह किस फॉर्मेट में खेलेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें फैसला लेना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि वह सिर्फ टी20 और वनडे खेलेंगे। उन्हें टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वह उस फॉर्मेट में कुछ खास नहीं करते। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे लगता है कि शाहीन अफरीदी को क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। वह छुट्टी पर जाएं, आराम करें और वापस आएं। वह थोड़े फीके पड़ गए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। शायद कुछ महीनों के ब्रेक की जरूरत है। अगर आप बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलते हैं, तो आप नीरस हो जाते हैं। वापसी के लिए आपको एक ब्रेक की जरूरत होती है। भारत ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवरों के खेल में 5 विकेट खोकर 171 रन बनाए। टीम के लिए साहिबजादा फरहान ने 45 गेंदों में 58 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 18.5 ओवरों में 6 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 39 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 74 रन बनाए, जबकि शुभमन गिल ने 28 गेंदों में 47 रन की पारी खेली।

जोहोर कप हॉकी में भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे। डिफेंडर रोहित 11 अक्तूबर से मलयेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 18 अक्तूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्तूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्तूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्तूबर को होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया से 15 अक्तूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्तूबर को मलयेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्तूबर को फाइनल खेलेंगी।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दर्द के बावजूद उगेबाउर ने डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, एजेंसी। जर्मन धावक लियो न्यूगेबाउर ने दर्द के बावजूद डेकाथलॉन की अंतिम स्पर्धा में 1,500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। दौड़ पूरी करने के बाद न्यूगेबाउर ट्रैक पर ही लेट गए थे। 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता के हिलने-डुलने में असमर्थ होने पर अधिकारियों ने उनके लिए व्हीलचेयर निकाली। लेकिन नेउगेबाउर ने खुद को फिर से खड़ा कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे पिछली दौड़ के बाद जितना बुरा लगा था, उतना पहले कभी नहीं लगा था, लेकिन मैं व्हीलचेयर पर ट्रैक नहीं छोड़ना चाहता था।

4 मिनट 31.89 सेकंड के समय के साथ उन्होंने कुल 8,804 अंक हासिल किए, जिससे उन्होंने प्यूर्टो रिको के आयडेन ओवेन्स-डेलेर्मे (8,784) और अमेरिकी काइल गारलैंड (8,703) को पीछे छोड़ दिया। पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी के निकलास कौल चौथे स्थान पर रहे। नेउगेबाउर अपनी मां डायना और पिता टेरेंस को गले लगाने के लिए स्टैंड पर चढ़ गए।

गोर्लिट्ज में जन्मे और स्टटगार्ट में पले-बढ़े, नेउगेबाउर एक खेल-प्रेमी परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता, जो कभी फुटबॉल के शौकीन थे, ने उन्हें एथलेटिक्स में हाथ आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 साल की उम्र से वह ट्रैक और फील्ड पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। इस फैसले के कारण उन्हें छात्रवृत्ति पर ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में दाखिला मिला, जहां वे प्रशिक्षण के साथ-साथ अर्थशास्त्र की पढ़ाई भी कर रहे हैं। लियो द जर्मन उपनाम से मशहूर, 2.01 मीटर के इस एथलीट ने प्रतिभा और अथक परिश्रम के मेल के लिए अपनी ख्याति अर्जित की है। उनके कोच जिम गार्नहैम ने कहा, मैं कुछ भी जादू नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा, तो लियो वो कर सकता है जो कोई और नहीं कर सकता।

विश्व खिताब हासिल करने के बाद, न्यूगेबाउर ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की ओर इशारा करते हुए कहा, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है। 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक को वह पहले से ही अपना घरेलू मैदान मानते हैं।

उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को भारत में खेलेंगे एग्जिबिशन फुटबॉल मैच, मुंबई में होगा मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। महान फर्राटा धावक उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को एक नुमाइशी फुटबॉल मैच के लिये भारत आएंगे। आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महानतम खिलाड़ियों में से एक बोल्ट महान फुटबॉल खिलाड़ियों, बॉलीवुड हस्तियों और अन्य जाने माने लोगों के साथ फुटबॉल मैच खेलेंगे। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे। वह 30 सितंबर से शुरू हो रहे प्यूमा के दो दिवसीय जश्न के सिलसिले में यहां आ रहे हैं। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। प्यूमा भारत के प्रबंध निदेशक कार्तिक बालागोपालन ने कहा, हमारा मानना है कि खेलों में समुदायों को प्रेरित करने और एकजुट करने की ताकत है। फुटबॉल भारतीय युवाओं में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और उसेन बोल्ट को यहां फुटबॉल खेलने के लिये बुलाकर हम इसका जश्न मनाना चाहते हैं।

फुटबॉल के प्रति बोल्ट का जुनून

ट्रैक से बाहर भी बोल्ट हमेशा फुटबॉल के लिए जुनूनी रहे हैं। बचपन में वह अक्सर फुटबॉल खेलते थे और मैदान पर अपनी रफ्तार और स्किल दिखाने का सपना देखते थे। एथलेटिक्स से संन्यास लेने के बाद भी उन्होंने इस खेल को गंभीरता से अपनाया, ट्रेनिंग की, ट्रायल और एग्जिबिशन मैच खेले और गोल भी दागे।

भारत को 'आग और बर्फ' का मिश्रण मिल गया है, अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को लेकर बोले सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि जिगरी दोस्त अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के बल्लेबाजी के विपरीज अंदाज से भारतीय टी20 क्रिकेट को 'आग और बर्फ' का संयोजन मिल गया है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर 4 मैच में जीत के लिए 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दस साल की उम्र से साथ खेल रहे दोनों दोस्तों ने 105 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने 39 गेंद में 74 रन बनाये जबकि गिल ने 28 गेंद में 47 रन जोड़े। सूर्यकुमार यादव ने छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा, 'यह आग और बर्फ जैसा संयोजन है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। यही मैं देखना चाहता हूं। अगर एक जबर्दस्त बल्लेबाजी कर रहा है तो दूसरा सहायक की भूमिका निभाकर स्ट्राइक रोटेट कर सकता है। हमें अच्छी शुरुआत की जरूरत थी और दोनों ने वह दी।'

अंडर-12 के समय से साथ खेल रहे अभिषेक और शुभमन – पंजाब में अंडर 12 के दिनों से साथ खेल रहे अभिषेक और गिल एक दूसरे के खेल को बखूबी जानते हैं और मौके के हिसाब से भूमिकाएं बदल लेते हैं। सूर्यकुमार का मानना है कि मैदान के बाहर की अच्छी दोस्ती मैदान पर आपसी समझ में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर अच्छे दोस्त होना जरूरी है। जब आप पारी की शुरुआत कर रहे हैं तो यह समझ काफी जरूरी है। एक रन लेने के लिए एक नजर का इशारा ही काफी होता है। जब ये दोनों साथ में बल्लेबाजी करते हैं तो इनकी दोस्ती दिखती है।'

कोरोना में युवराज के घर पर रहकर सीखी खेल की बारीकियां – कोरोना काल में दोनों चंडीगढ़ में युवराज सिंह के घर पर थे और साथ में अभ्यास किया करते थे। सूर्यकुमार ने अभिषेक के बारे में कहा, 'अभिषेक काफी निस्वार्थ बल्लेबाजी करता है। पावरप्ले में वह आक्रामक खेलता है और उसके बाद भी उसे पता है कि क्या जरूरी है। वह हालात का आकलन करके मैच दर मैच सीख रहा है। वह अभ्यास कभी नहीं चूकता।' शुभमन गिल के बारे में उन्होंने कहा, 'शुभमन के बारे में सभी को पता है कि वह कैसा खिलाड़ी है। मैं इतना ही कहूंगा कि उसे पता है कि रन कैसे बनाना है। उनसे आज अपने शॉट्स पर भरोसा करके जोखिम कम लिया।

ऑपरेशन व्हाइट बॉलः

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज 50 छक्कों का रिकॉर्ड, गुरु को पीछे छोड़ा

अभिषेक शर्मा ने रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराने के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए 39 गेंदों में 74 रन बनाए। इस पारी के दौरान अभिषेक ने गेंदों के हिसाब से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। अभिषेक शर्मा ने मात्र 331 गेंदों में सबसे तेज 50 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की, जो पहले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इविन लुईस (366 गेंदों) के नाम था। आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज) तीसरे, हजरतुल्लाह जजई (अफगानिस्तान) चौथे और सूर्यकुमार यादव (भारत) 5वें स्थान पर हैं। अभिषेक 350 गेंदों से कम में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। यही नहीं, उन्होंने अपने गुरु युवराज सिंह का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। शर्मा ने दुबई क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ 24 गेंद पर अर्धशतक लगाया।

यह टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक है। पहले यह रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम था, जिन्होंने 2012 में अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के

खिलाफ 29 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। अभिषेक को उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवर में 105 रन जोड़कर भारत का एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा ऑपरेशन व्हाइट बॉल सफलतापूर्वक पूरा किया। अभिषेक ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा, आज सब कुछ साफ था। जिस तरह वे बिना वजह हम पर हावी होने की कोशिश कर रहे थे, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी कारण मैंने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता था।

उन्होंने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, हम स्कूल के दिनों से साथ खेलते हैं। हम एक-दूसरे को समझते हैं। हमने सोचा था कि हम यह कर सकते हैं और आज वह दिन था। जिस तरह वह जवाब दे रहे थे, मुझे बहुत अच्छा लगा। अगर आप किसी को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब है कि टीम समर्थन करती है और साथ देती है। यही मेरा इरादा है, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अगर मेरा दिन है, तो मैं अपनी टीम के लिए जीत हासिल करूंगा।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 5वीं बार जीता सीपीएल

कायरन पोलार्ड ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, चैंपियन बनी शाहरुख खान की टीम

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के बीच आज यानी 22 सितंबर को प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला गया। रोमांचक फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने एमेजॉन वॉरियर्स को हरा दिया। बता दें कि पांचवीं बार नाइट राइडर्स ने सीपीएल का खिताब अपने नाम किया। वहीं इस मैच में वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि त्रिनबागो नाइट राइडर्स कोलकाता नाइट राइडर्स की ही एक फ्रेंचाइजी है, जिसके मालिक बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान हैं।

गुयाना एमेजॉन ने टॉस जीतकर चुनी थी बल्लेबाजी – गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। हालांकि, वे 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 130 रन ही बोर्ड पर लगा पाए। इफ्तिखार अहमद ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। अंत में 25 रन ड्वेन प्रीटोरियस ने भी बनाए। नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट सौरभ नेत्रवल्कार ने लिए। 2 विकेट अकील हुसैन को मिले जबकि 1-1 विकेट आंद्रे रसेल और उस्मान तारिक ने लिया।

- **कायरन पोलार्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड** – वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह टी20 में 400 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड के नाम अब 718 टी20 मुकाबलों में 401 कैच हो गए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर 320 कैच के साथ डेविड मिलर हैं।
- **12 बॉल पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने चेज कर दिया टारगेट** – 131 रन का टारगेट त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 3 विकेट रहते 18 ओवर में चेज कर लिया। एलेक्स हेल्ड ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए। इसके अलावा कॉलिन मनरो (23), सुनील नरेन (22), कायरन पोलार्ड (21) और अंत में अकील हुसैन ने 7 गेंदों पर नाबाद 16 रन की अच्छी पारी खेली। गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के लिए इमरान ताहिर ने 3 विकेट झटके। 2-2 विकेट ड्वेन प्रीटोरियस और शमार जोसेफ ने लिए।

साउथ अफ्रीका के दिग्गज ने खत्म किया ओडीआई रिटायरमेंट, सालभर से टी-20 भी नहीं खेला, अब पाकिस्तान दौरे के लिए हुआ सेलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे रिटायरमेंट खत्म कर दिया. उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट को छोड़ दिया था. क्विंटन डिकॉक को अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे के लिए साउथ अफ्रीकी टीम में चुना गया है. उन्हें वनडे और टी20 दोनों स्क्वॉड में रखा गया. डिकॉक साउथ अफ्रीका के लिए आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में खेले थे. वहीं वनडे में उनका आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में था.

साउथ अफ्रीका ने मैथ्यू ब्रेत्जके की कप्तानी में वनडे स्क्वॉड चुनी है. वहीं टी20 टीम की कप्तानी डेविड मिलर को दी गई है. कॉर्बिन बॉश और डेवाल्ड ब्रेविस को छोड़कर बाकी सभी ऑल फॉर्मेट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है. डोनोवान फरेरा, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जिया, डिकॉक को वनडे स्क्वॉड में रखा गया है. वहीं जॉर्ज लिंडे और ब्यॉर्न फॉर्टुइन की इस फॉर्मेट में वापसी हुई है. नेशल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर रहने वाले तबरेज शम्सी को किसी भी स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई. ऐसा ही एनरिक नॉर्किया के साथ हुआ है.

टेम्बा बवुला चोटिल तो मार्करम बने कप्तान – साउथ अफ्रीका को पाकिस्तान में तीन वनडे, तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं. इससे पहले दो टेस्ट की सीरीज होगी ।

अक्षय-सैफ की फिल्म में कैमियो करेंगे मोहनलाल

मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन इन दिनों अपनी अपकमिंग हिंदी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में होंगे। एक इंटरव्यू में फिल्म निर्माता ने आखिरकार फिल्म के बारे में एक बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने बताया है कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल इस फिल्म में नजर आएंगे। उन्होंने उनके किरदार को लेकर भी बात की है।

कहानी पर ध्यान देते हैं प्रियदर्शन

हाल ही में बातचीत में प्रियदर्शन से पूछा गया कि क्या वह अक्षय और मोहनलाल के साथ एक पूरी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं? इस पर प्रियदर्शन ने कहा अगर आप मुझसे हैवान के बारे में पूछ रहे हैं, तो मोहनलाल उस फिल्म में हैं। हालांकि वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं, इस पर मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। जब भी मैं कोई फिल्म बनाता हूं, तो मुझे कहानी ही उत्साहित करती है। मैं कभी भी कलाकारों के बारे में नहीं सोचता।

कलाकारों के पीछे नहीं भागते प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने आगे कहा फिल्म बनाने के लिए सबसे पहले स्क्रिप्ट होती है। फिर एक्टर आते हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं मोहनलाल और अक्षय कुमार को साथ लेकर फिल्म बनाऊंगा। अगर आप अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म बनाएंगे तो आपको कभी स्क्रिप्ट ही नहीं मिलेगी। जब भी आपको कोई स्क्रिप्ट मिले, तो सही कलाकारों के पीछे लग जाएं। यही फिल्म बनाने का सही तरीका है।

हैवान के बारे में

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी वाली अपकमिंग फिल्म हैवान बन रही है। मोहनलाल इसमें कैमियो रोल करेंगे। यह फिल्म मोहनलाल की फिल्म ओप्पम (2016) पर आधारित बताई जा रही है। हैवान ने पहले ही सुर्खियां बटोर ली हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें समुथिरकानी, सैयामी खेर, श्रेया पिलगांवकर, असरानी और ईनार हेराल्डसन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हेरा फेरी 3 फिल्म विवाद पर निर्देशक प्रियदर्शन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की पॉपुलर फेंचाइजी हेरा फेरी की आगामी फिल्म हेरा फेरी 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। बीते महीनों इस फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसकी मुख्य वजह परेश रावल थे, क्योंकि उन्होंने अचानक फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि बाद में सब कुछ ठीक हो गया था। इस मामले पर बीते दिनों परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी थी। अब इसपर फिल्म निर्माता प्रियदर्शन ने चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

मुझे और परेश को कभी कोई समस्या नहीं हुई

हाल ही निर्देशक प्रियदर्शन पिंकविला के साथ बातचीत में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'मुझे और परेश को कभी कोई समस्या नहीं हुई। जहां तक मुझे पता है, अक्षय और परेश को भी कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। कुछ और लोग थे, जो परेश पर दबाव बना रहे थे। परेश रावल एक ऐसे इंसान हैं, जैसे आप जानते हैं कि जो लोग डरते हैं कि मैं बीमार हूं और इसे लेकर बहुत ज्यादा परेशान हो जाते हैं। हालांकि समस्या कोई और है। इसलिए वो डरते हैं, लेकिन हमारे रिश्ते पर इसका कोई असर नहीं हुआ।'

आगे बात करते हुए प्रियदर्शन ने बताया, 'अक्षय ने मुझसे कहा, 'प्रिंस सर, अगर ऐसा होता है, तो होने दो। वरना, रहने देते हैं।' बस इतना ही। कुछ लोगों ने इसमें मुश्किलें खड़ी की हैं। उनके बारे में बात करना बेकार है, इसलिए मैं बात नहीं कर रहा। उम्मीद करते हैं कि जिंदगी में अच्छा ही हो। ये फिल्म निर्माण है, इस दुनिया में आपके दुश्मन, दोस्त, प्रशंसक, आलोचक, बहुत कुछ होता है। मैं 40 साल कैसे गुजार पाया, मुझे आज भी नहीं पता।'

'कल्कि 2' से बाहर होने के बाद दीपिका का भावुक पोस्ट

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर किए जाने की चर्चाओं के बीच अब दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म करने की पुष्टि की है। दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है कि वो शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम कर रही हैं। 'कल्कि 2' से निकाले जाने के बाद यह खबर दीपिका के फैंस के लिए खुशखबरी लाई है। 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल बाहर किए जाने के बाद दीपिका ने पहली बार सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने इस बात को कंफर्म किया कि वो शाहरुख खान के साथ फिर से काम कर रही हैं। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान का हाथ थामे एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में सिर्फ दोनों के हाथ नजर आ रहे हैं, चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इस तस्वीर के साथ ही दीपिका ने एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे जो पहला सबक सिखाया, वह यह था कि फिल्म बनाने का अनुभव और आप जिन लोगों के साथ इसे बनाते हैं, वे इसकी सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं। मैं इससे पूरी तरह से सहमत हूं। तब से मैंने अपने हर फैसले में इस सीख को लागू किया है। शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं?' इस पोस्ट में दीपिका ने किंग का हैशटैग लगाया है। साथ ही शाहरुख खान और 'किंग' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद को मेंशन भी किया है। साथ ही उन्होंने डे वन लिखा है, जिससे ये साफ होता है कि उन्होंने 'किंग' की शूटिंग शुरू कर दी है।

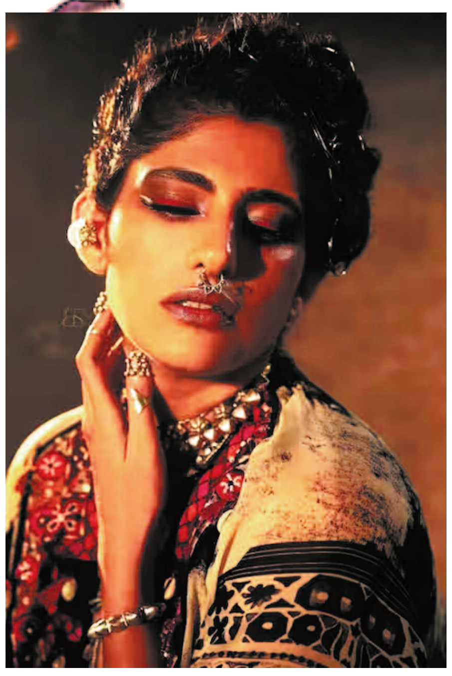

कुब्रा सैत ने राइज़ एंड फॉल में बदली दोस्ती की परिभाषा

हाल ही में राइज़ एंड फॉल के साथ रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखने वाली कुब्रा सैत लगातार अपने गेमप्ले से सबको प्रभावित कर रही हैं। कई प्रतिभागियों के बीच उन्होंने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। हाल ही में शो में उस समय तनाव बढ़ गया जब आहना कुमरा और कुब्रा सैत के बीच गरमा-गरम बहस हो गई, जिसने उनकी दोस्ती की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए।

बातचीत के दौरान आहना भावुक हो गई और अपने भीतर की निराशा जताते हुए कहा, हाँ, मुझे एंग्ज़ाइटी है, और मैं उसके बारे में खुलकर बात कर रही हूँ। तो क्या आप सबके सामने मेरे बारे में इस तरह ज़लील करने वाले अंदाज़ में बोलेंगे? हमें भी बुरा लगता है यार, हम भी इंसान हैं। कुछ बातें दिल पर लग जाती हैं। एक दोस्त होने के नाते, मैंने आपसे बेहतर उम्मीद की थी।

कुब्रा ने इस पर सफाई देते हुए कहा, यार, हम आख़िरी बार कब मिले थे आपको याद भी नहीं होगा। क्या आप मुझे दोस्त मानती हैं? मैं आपको अपना सहकर्मी मानती हूँ। आप बहुत आसानी से कह देती हैं कि सब कह रहे हैं आहना आपकी दोस्त है।
रियलिटी शो से इतर भी कुब्रा लगातार अपना बहुमुखी करियर संवार रही हैं। हाल ही में वह अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार 2 में नज़र आई थीं और अब वह बहुप्रतीक्षित द ट्रायल के दूसरे सीज़न में 'सना' के किरदार के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं।

इससे पहले सुल्तान और रेडी जैसी फ़िल्मों में दिख चुकी कुब्रा को असली पहचान नेटफ्लिक्स की सीरीज़ सेक्रेड गेम्स में 'कुकू' के दमदार किरदार से मिली थी, जिसने उन्हें इंडस्ट्री में सबसे अलग और प्रभावशाली अदाकाराओं में शामिल कर दिया।

होमबाउंड का हर हिस्सा सपने से कम नहीं

जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा अभिनीत फिल्म होमबाउंड साल 2026 में ऑस्कर अवॉर्ड्स में नामांकित हो चुकी है। फिल्म को ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर कैटेगरी के लिए सेलेक्ट किया गया है। इसी खुशी में जान्हवी कपूर ने फिल्म को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। जान्हवी कपूर ने फिल्म होमबाउंड को एक पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, यह फिल्म एक सपने जैसी रही है। इसकी कहानी, लोग, और हमारी टीम के हर सदस्य के लिए इसका खास महत्व रहा है। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा इनाम है। शुरू से अब तक, यह फिल्म उन सभी लोगों का उत्सव है जिनकी प्रतिभा, अच्छाई और साहस को मैं बहुत प्यार और सम्मान करता हूं। यह फिल्म और इसका सफर उम्मीद की कहानी है। 26 सितंबर को सिनेमाघरों में! मनीष मल्होत्रा और जोया अख्तर ने जान्हवी कपूर की इस पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। नितांशी गोयल ने लिखा, बधाई हो, शनाया कपूर ने लिखा, हे भगवान, एक्टर संजय कपूर ने लिखा, शानदार। इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म होमबाउंड विदेशों में आयोजित हुए कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में प्रदर्शित हो चुकी है। भारत में होमबाउंड 26 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। होमबाउंड एक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन नीरज घायवान ने किया है। यह फिल्म बशारत पीर के 2020 के न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख पर आधारित है।

रामलीला विवाद में पूनम पांडे का बयान, वीडियो मैसेज में बोलीं 'जय श्री राम'

दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित होने वाली लव कुश रामलीला के कलाकारों में पूनम पांडे को शामिल करने का विरोध हो रहा है। हालांकि, कमेटी विरोध को दरकिनार करते हुए अपने फैसले पर अड़ी है। इस बीच कमेटी ने पूनम पांडे का एक वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने बताया कि वह मंदोदरी का रोल प्ले कर रही हैं और इसके लिए उन्होंने क्या संकल्प लिया है। इस वीडियो क्लिप में पूनम पांडे कहती हैं, दिल्ली के लाल किला में विश्व प्रसिद्ध लव-कुश रामलीला में मुझे मंदोदरी की भूमिका निभाने का अवसर मिला है। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं, बहुत खुश हूं। मंदोदरी एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है, और वह रावण की पत्नी थीं। मैं इस खूबसूरत किरदार को निभाने के लिए उत्सुक हूं। इस रोल के लिए उन्होंने एक संकल्प भी लिया है। इसके बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, नवरात्रि है। मैंने यह भी तय किया है कि मैं नौ दिनों तक उपवास रखूंगी ताकि मेरा तन और मन अधिक शुद्ध रहे और मैं इस खूबसूरत किरदार को बखूबी निभा सकूं। जय श्री राम। बता दें कि पिछले सप्ताह की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने रामलीला में पूनम पांडे को लिए जाने पर आपत्ति जताई थी। वहीं, रविवार को रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने भी स्पष्ट कर दिया था कि पूनम पांडे ही मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

प्यार में क्या बर्दाश्त नहीं?

राशि खन्ना ने पोस्ट कर फैंस से पूछा सवाल

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों फिल्म तेलुस कडा को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस से प्यार के उन अनकहे कोनों को छुआ है, जो हर इंसान के मन में कहीं न कहीं छिपे रहते हैं। राशि ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए फैंस से सवाल किया, प्यार में ऐसा क्या है जो आप बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकते?

तस्वीरों में अभिनेत्री देसी लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने नारंगी रंग की हैंड-एंब्रॉयडरी चिकनकारी कॉटन कुर्ती पहन रखी है। यह कुर्ती इतनी हल्की-फुल्की है कि गर्मियों की शामों में ठंडक का एहसास कराती है। हाथों में पिंक चूड़ियों की खनक उनकी नाजुक कलाईयों में जच रही है। वहीं, मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने माथे पर बिंदी लगाई हुई है। तस्वीरों की तो बात करें तो, पहली तस्वीर में राशि हल्की-सी मुस्कान बिखेरते हुए कैमरे की ओर देख रही हैं। उनकी आंखों में एक शरारती चमक है, जो प्यार के सवाल को और गहरा बनाती है। दूसरी तस्वीर में वह बालों को हल्के से थामे, दिलकश अंदाज में पोज दे रही हैं और होंठों पर हल्की-सी हंसी है। तीसरी फोटो में वह मुस्कराती हुई सीधी नजर से कैमरे को घूर रही हैं। इंस्टाग्राम पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स जमा हो चुके हैं। एक फैन ने लिखा, ईर्ष्या को कभी माफ नहीं कर सकती। तो दूसरे ने कहा, अनदेखी सबसे बड़ी सजा।

अभिनेत्री के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो उनकी कई फिल्में रिलीज के लिए लाइन में लगी हैं। आगामी फिल्म तेलुस कडा की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तेलुसु काडा में राशि के साथ सिद्धू जोनालागड्डा और श्रीनिधि शेट्टी भी अहम रोल में होंगे। इसका निर्देशन नीरजा कोना द्वारा किया जा रहा है। साथ ही फिल्म की एडिटिंग श्रीकर प्रसाद द्वारा की गई है।

सिद्धांत चतुर्वेदी बने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह के गेस्ट ऑफ ऑनर

भारतीय अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। इस मौके पर माननीय मुख्य कार्यकारी पार्षद ताशी ग्याल्सन भी मौजूद रहे।

पर्यटन एवं संस्कृति सचिव श्री संजीत रोड्रिग्स ने सिद्धांत चतुर्वेदी को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के सम्मानस्वरूप फेस्टिवल मोमेंटो भेंट किया। सिद्धांत ने समारोह में संबोधन करते हुए लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और 'धड़क 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से पहचान बना चुके सिद्धांत आज बॉलीवुड के सबसे उभरते सितारों में गिने जाते हैं। उनके उत्साह और प्रशंसकों से जुड़ाव ने समारोह में चार चांद लगा दिए और उद्घाटन दिवस को और भी खास बना दिया।

पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह लद्दाख फेस्टिवल 24 सितंबर तक जारी रहेगा, जिसमें क्षेत्र की जीवंत संस्कृति, परंपराओं और व्यंजनों का उत्सव मनाया जाएगा। सिद्धांत चतुर्वेदी की मौजूदगी ने इस आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ दिया और भारतीय सिनेमा व सांस्कृतिक पर्यटन के बीच गहराते संबंधों को भी उजागर किया।

साभार एजेंसी